CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-235
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार

'कल को आसान बनाने के लिए आज आपको कड़ी मेहनत करनी ही पड़ेगी।'

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 30 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जर्मनी में निवेशकों से की मुलाकात, कहा- आप आज निर्णय लें और कल से अपना प्लांट शुरू करें

मध्यप्रदेश अब पूरी तरह से इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन

म्यूनिख। मुख्यमंत्री मोहन यादव इन दिनों मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए जर्मनी यात्रा पर है। इसके पहले वे यूके गए थे, जहां से प्रदेश को 60 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले। इस निवेश प्रस्ताव ने राज्य के औद्योगिक विकास को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने जर्मनी में निवेशकों से मुलाकात की। इसके बाद एसीईडीएस लिमिटेड को भोपाल में जमीन आवंटित भी कर दी। सीएम ने कहा यह फैसला मध्यप्रदेश को वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर एक नए केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

जर्मनी के म्यूनिख में सीएम मोहन यादव ने निवेशकों से कहा कि आज मध्यप्रदेश संपूर्ण इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन है। यह एक विशाल मार्केट है जो निवेशकों के लिए स्वर्णिम अवसर भी है। उन्होंने कहा कि विकास की यह बस शुरुआत है। हम केवल वादे नहीं क्रांतिकारी बदलाव भी करते हैं। मध्यप्रदेश ने सभी प्रक्रियाओं का सरलीकरण किया है और मैं खुद सभी प्रोजेक्ट्स की मॉनिटरिंग करता हूं। हमने दो हजार से अधिक प्रक्रियात्मक व्यवस्थाओं को या तो खत्म कर दिया या सरल बना दिया है जो व्यवसाय में रुकावट बनते थे। मध्यप्रदेश में निवेशक मेहमान नहीं परिवार का हिस्सा है। आप आज निर्णय लें और कल से अपना प्लांट शुरू करें। हमारा उद्देश्य है कि प्रदेश के सभी तकनीकी संस्थानों में यहां की उच्च तकनीक का उपयोग हो और साथ ही इन्वेस्टर्स को भी बेहतर उपलब्धि मिले।

सीएम ने बताया- जर्मनी से मिले कई प्रस्ताव मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जर्मनी से उन्हें कई ऐसे प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे मध्यप्रदेश को इस विश्वास के साथ आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है कि राज्य अपनी पारंपरिक क्षमताओं के साथ नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह बड़ी बात है कि कृषि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई, स्वास्थ्य, शिक्षा, नई तकनीक और भारी उद्योग क्षेत्रों में जर्मनी से हमें सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। सीएम ने कहा कि जर्मनी और यूके आर्थिक और तकनीकी रूप से साधन संपन्न देश हैं, उन्हें आवश्यकता है तो मेन पॉवर की। हमारे पास मेन पॉवर उपलब्ध है, तकनीकी रूप से दक्ष युवा है, दोनों को जोड़ने के लिए यदि जरूरत है तो भाषा की। लैंग्वेज प्रॉब्लम को दूर कर हम एक-दूसरे के पूरक के रूप में वर्क-फोर्स बनकर काम करेंगे।

मप्र को देश-दुनिया में बनाएंगे आर्थिक शक्ति मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी जर्मनी और यूके यात्रा को लेकर कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य मध्यप्रदेश में राज्य के युवाओं के लिए निवेश के नए मौके तैयार करना है। सीएम ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य राज्य के युवाओं के रोजगार, औद्योगिकीकरण और मध्यप्रदेश को देश और दुनिया के सामने एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करना था। जर्मनी और यूके की यात्रा के बाद, मैं कह सकता हूं कि यह यात्रा हमारे टेक्नों-फ्रेंड ऊजार्वान, प्रतिभाशाली युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रही है।

ग्लोबल इन्वेस्ट समिट के लिए दिया निमंत्रण मुख्यमंत्री ने जर्मनी के निवेशकों को फरवरी में भोपाल में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्ट समिट के लिए निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से आपको इस समिट के लिए आमंत्रित करता हूं। इसी के साथ उन्होंने कहा कि भारत और जर्मनी के बीच हमेशा से अच्छे संबंध रहे हैं। जर्मनी से मध्यप्रदेश के लिए प्रत्येक सेक्टर में अनेक प्रस्ताव मिले हैं। प्रदेश में एग्रीकल्चर, एआई, हेल्थ, एजुकेशन, नई तकनीक और हैवी इंडस्ट्रीज सहित अन्य सभी क्षेत्रों में निवेश के लिए अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। हम जर्मनी के साथ ऐसी नई साझेदारी चाहते हैं, जो केवल व्यापार तक सीमित न हो। मध्यप्रदेश एक उत्कृष्ट निवेश गंतव्य है, जहां निवेशकों के लिए अपार संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश, भारत की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हमारी विकास दर डबल डिजिट में है और हम पावर सरप्लस स्टेट हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की अपार संभावनाएं आपका इंतजार कर रही हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारत सरकार की दो टूक...

पाकिस्तान खेलने नहीं जाएगी हमारी क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी। विदेश मंत्रालय ने अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान जाने पर बीसीसीआई के रुख को दोहराया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि बीसीसीआई ने एक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा है कि वहां सुरक्षा चिंताएं हैं और इसलिए ऐसी संभावना नहीं है कि टीम वहां जाएगी। पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाली बहुप्रतीक्षित चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पर अनिश्चितता के बादल छाए हुए हैं। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। पिछली बार भारत ने एशिया कप के लिए पाकिस्तान का दौरा किया था। दोनों चिर प्रतिद्वंद्वियों ने पिछली द्विपक्षीय सीरीज 2012-13 में खेली थी जिसमें सीमित ओवरों के मैच खेले गए थे। उसके बाद से भारत और पाकिस्तान मुख्य रूप से सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट या फिर एशिया कप में एक-दूसरे का सामना करते हैं।

आईसीसी की बैठक में नहीं बनी सहमति शुक्रवार को आईसीसी की बैठक भी हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें 12 पूर्ण सदस्य देशों के प्रतिनिधियों, एसोसिएट देशों के तीन, एक स्वतंत्र निदेशक के अलावा आईसीसी चेयरमैन और सीईओ ने हिस्सा लिया। पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी पर बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि हमारी चर्चा जारी है। स्थिति को देखने के बाद फैसला लिया जाएगा। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता खिलाड़ियों की सुरक्षा है। हाइब्रिड मोड भी एक विकल्प है। हालांकि, पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल में टूर्नामेंट कराने को तैयार नहीं है। पिछले साल एशिया कप भी इसी तरीके से खेला गया था। भारत के मैच किसी तटस्थ देश में खेले गए थे, जबकि बाकी मैच पाकिस्तान में खेले गए। अगर सहमति नहीं बनी तो आईसीसी पीसीबी से मेजबानी का हक भी छीन सकता है। ऐसे में सभी को काफी नुकसान होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईसीसी की बैठक में कोई सहमति नहीं बनी और अब शनिवार को भी आईसीसी बैठक करेगा।

पाकिस्तान बोर्ड अध्यक्ष ने दिया था यह बयान बैठक से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि यह संभव नहीं है कि हर बार पाकिस्तान हर टूर्नामेंट के लिए भारत जाकर खेलता रहे और भारतीय अधिकारी अपनी टीम को पाकिस्तान में खेलने के लिए भेजने से इनकार कर दें। हमारे यहां ऐसी असमान स्थिति नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि मैं सिर्फ इतना आश्वासन दे सकता हूं कि बैठक में जो भी होगा, लेकिन हम अच्छी खबर और फैसले लेकर आएंगे जिन्हें हमारे लोग स्वीकार करेंगे। नकवी ने उम्मीद जताई कि पांच दिसंबर को आईसीसी चेयरमैन का पद संभालने वाले जय शाह विश्व क्रिकेट और सभी सदस्य बोर्डों के हित में फैसले लेंगे। उन्होंने कहा कि जय शाह दिसंबर में कार्यभार संभालेंगे और मुझे यकीन है कि एक बार जब वह बीसीसीआई से आईसीसी में चले जाएंगे, तो वह आईसीसी के लाभ के बारे में सोचेंगे और यही उन्हें करना चाहिए।

हाइब्रिड मॉडल अपनाने को तैयार नहीं पाकिस्तान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) हाइब्रिड मॉडल के लिए तैयार नहीं है। अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) शनिवार को सभी बोर्ड के साथ बैठक करेगा और चैंपियंस ट्रॉफी पर फैसला लेगा। इसका खुलासा एक रिपोर्ट में हुआ है। बता दें कि, अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है, लेकिन आईसीसी ने अब तक इस टूर्नामेंट के कार्यक्रम का ऐलान नहीं किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पहले ही भारतीय टीम को पाकिस्तान की यात्रा पर भेजने से इनकार कर चुका है। वहीं, पीसीबी भी अब तक हाइब्रिड मॉडल के लिए राजी नहीं हुआ है।

विदेश मंत्रालय की पहली प्रतिक्रिया

अडानी मामले को लेकर भारत सरकार को नहीं दी गई जानकारी

नई दिल्ली। अमेरिकी अभियोजकों की ओर से उद्योगपति गौतम अडानी पर लगाए गए आरोपों को लेकर विदेश मंत्रालय ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि गौतम अडानी का मामला कानूनी है। इसमें निजी फर्म, व्यक्ति और अमेरिकी न्याय विभाग शामिल हैं। ऐसे मामलों के लिए कुछ तय प्रक्रिया और कानूनी रास्ते हैं। हमें विश्वास है कि इनका पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे के बारे में भारत सरकार को पहले से सूचित नहीं किया गया था। हमने इस मामले पर अमेरिकी सरकार से कोई बातचीत भी नहीं की है। किसी विदेशी सरकार द्वारा समन/गिरफ्तारी वारंट की तामील के लिए किया गया कोई भी अनुरोध आपसी कानूनी सहायता का हिस्सा है। ऐसे अनुरोधों की योग्यता के आधार पर जांच की जाती है। हमें इस मामले में अमेरिकी पक्ष से कोई अनुरोध नहीं मिला है। यह एक ऐसा मामला है जो निजी संस्थाओं से संबंधित है और भारत सरकार इस समय कानूनी रूप से किसी भी तरह से इसका हिस्सा नहीं है।अमेरिकी न्याय विभाग के अभियोग में आरोप लगाया गया है कि भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी और अन्य ने भारत में सौर ऊर्जा के ठेके लेने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी। हालांकि इस अभियोग में सिर्फ आरोप लगाए गए हैं और आरोपों के संबंध में पुख्ता सबूत नहीं दिए गए हैं। हालांकि अरबपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अडानी पर लगे आरोपों को अडानी समूह ने सिरे से खारिज कर दिया। अडानी समूह ने बुधवार को कहा कि गौतम अदाणी और उनके भतीजे पर रिश्वतखोरी का कोई आरोप नहीं है। वहीं इस मुद्दे को लेकर संसद में लगातार विपक्ष सरकार को घेर रहा है। इसके चलते लगातार चार बार संसद को स्थगित किया जा चुका है।

फॉक्सवैगन को सरकार ने दिया 1.4 अरब डॉलर की टैक्स चोरी का नोटिस!

नई दिल्ली। भारत ने जर्मन वाहन निर्माता कंपनी फॉक्सवैगन को एक नोटिस जारी किया है। इसमें कहा गया है कि कंपनी ने ऑडी, वी.डब्लू. और स्कोडा कारों के कलपुर्जों पर जानबूझकर कम आयात कर (इंपोर्ट टैक्स) का भुगतान करके 1.4 अरब डॉलर की टैक्स चोरी की है। एक दस्तावेज से यह पता चलता है कि यह इस तरह की सबसे बड़ी मांगों में से एक है। नोटिस में कहा गया है कि फॉक्सवैगन लगभग पूरी कार को बिना असेंबल की स्थिति में आयात करती थी। इस पर भारत में सीकेडी या पूरी तरह से तैयार यूनिट्स के नियमों के तहत 30-35 प्रतिशत आयात कर (इंपोर्ट टैक्स) लगता है। लेकिन इन आयातित वस्तुओं को व्यक्तिगत भागों (इंडीविजुअल पार्ट्स) के रूप में गलत घोषित और गलत वर्गीकरण करके करों से बचती थी। और सिर्फ 5-15 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करती थी। इस तरह के आयात फॉक्सवैगन की भारतीय इकाई, स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया द्वारा स्कोडा सुपर्ब और कोडियाक, ऑडी ए4 और क्यू5 जैसी लग्जरी कारों और वीडब्ल्यू की टिगुआन एसयूवी सहित अपने मॉडलों के लिए किए गए थे। भारतीय जांच में पाया गया कि अलग-अलग शिपमेंट खेपों का इस्तेमाल पहचान से बचने और उच्च करों के जानबूझकर भुगतान से बचने के लिए किया गया था। महाराष्ट्र के सीमा शुल्क आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी 95 पृष्ठों के नोटिस में कहा गया है कि यह लॉजिस्टिकल व्यवस्था एक आर्टिफिशियल अरेंजमेंट (कृत्रिम व्यवस्था) है... परिचालन संरचना और कुछ नहीं, बल्कि लागू शुल्क का भुगतान किए बिना माल को निकालने की एक चाल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह नोटिस सार्वजनिक नहीं है, लेकिन उसने इसे देखा है।

मध्यप्रदेश में 3 फरवरी से होगी 9वीं,11वीं की वार्षिक परीक्षाएं

भोपाल। लोक शिक्षण संचालक ने 9वीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षा का टाइम टेबल घोषित कर दिया है। ये परीक्षाएं 3 से 22 फरवरी तक होगी।लोक शिक्षक संचालनालय मध्य प्रदेश ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और प्राचार्यों को वार्षिक परीक्षा के संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिएहैं। अब सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों का कोर्स पूरा करना एक बड़ी चुनौती बन गया है। शिक्षकों की कमी से जूझ रहे मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में इस वर्ष अतिथि शिक्षकों की भर्ती लेट हुई है इस वजह से कोर्स पिछड़ा हुआ है। अब देखना होगा कि वार्षिक परीक्षा तक कोर्स कितना पूरा हो पाएगा। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को लगातार परीक्षाओं से गुजरना पड़ रहा है। जहां पहले तिमाही परीक्षाएं हुई, वहीं अब दिसंबर में अर्धवार्षिक परीक्षाएं आयोजित होगी और फरवरी में वार्षिक परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 9वीं और 11वीं के स्टूडेंट को फाइनल एग्जाम की तैयारी के लिए सिर्फ 1 महीने का ही समय मिलने वाला है। दरअसल एमपी के सरकारी स्कूलों में 9वीं और 11वीं के हॉफ ईयरी एग्जाम 9 से 19 दिसंबर तक आयोजित होंगे। जिसका रिजल्ट 30 दिसंबर को आएगा। ऐसे में फाइनल एग्जाम की तैयारी के लिए सिर्फ जनवरी का ही महीना रहेगा। हालांकि एमपी बोर्ड से संबंधित प्राइवेट स्कूलों में ये स्थिति नहीं है। परीक्षा के पेपर राज्य मुक्त शिक्षासुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक परिषद भोपाल द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। निर्धारित समयावधि में ये पेपर जिला शिक्षा अधिकारियों को भिजवा दिए जाएंगे। इसके बाद प्राचार्य इन पेपरों को जिला शिक्षा अधिकारियों के पास से कलेक्ट कर सकेंगे। कक्षा 9वीं के पेपर सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक और 11वीं के पेपर दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक रहेंगे।

पीएम मोदी बोले- हार से गुस्साए विपक्षी देश के खिलाफ कर रहे साजिश

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आंदोलन हमेशा से होते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में आप सभी ने एक बहुत बड़ा बदलाव देखा होगा। संविधान की भावना को कुचला जा रहा है। लोकतंत्र की गरिमा को नकारा जा रहा है। सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानने वाले लोग पिछले एक दशक से केंद्र की सत्ता खो चुके हैं। वे लोगों से इस बात के लिए भी नाराज हैं कि उनके अलावा किसी और को आशीर्वाद दिया जा रहा है। वे इतने गुस्से में हैं कि वे देश के खिलाफ साजिश कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि उन्होंने देश को गलत दिशा में ले जाने के लिए लोगों को गुमराह करना शुरू कर दिया है। झूठ और अफवाहों की उनकी दुकान पिछले 75 सालों से चल रही है। उन्होंने अब अपने मिशन को और तेज कर दिया है। उनकी गतिविधियां अपने देश से प्यार करने वाले लोगों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन रही है।

हमें सतर्क रहने की जरूरत पीएम ने कहा कि मैं सभी को बताना चाहता हूं कि हमें सतर्क रहना है और लोगों को जागरूक करते रहना है। हमें हर झूठ को उजागर करना है। सत्ता के भूखे इन लोगों ने जनता से सिर्फ झूठ बोला है। वे हर बार एक बड़ा झूठ लेकर आते हैं। 2019 में जो चौकीदार उनके लिए चोर था, 2024 तक आते-आते वो ईमानदार हो गया और एक बार भी चौकीदार को चोर नहीं कह पाए। इनका मकसद सिर्फ यही है कि किसी तरह देश की जनता को गुमराह करके सत्ता पर कब्जा किया जाए।

भाजपा के बारे में गलत सूचनाएं फैलाई जा रही प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल दिन-रात भाजपा के बारे में गलत सूचना फैलाते रहते हैं। लेकिन जनता खुद भाजपा को आशीर्वाद देने के लिए मैदान में आती है। चुनाव से कुछ महीने पहले बड़े-बड़े राजनीतिक विशेषज्ञ ओडिशा में भाजपा को पूरी तरह से खारिज कर रहे थे। लेकिन जब नतीजे आए तो सभी हैरान रह गए। क्योंकि ओडिशा के लोगों के लिए भाजपा की केंद्र सरकार के कार्य और दिल्ली में बैठे हुए भी ओडिशा के लोगों के साथ अपनापन का जो नाता रहा, वो ओडिशा के घर-घर पहुंच चुका था।

यही बीजेपी की विशेषता है... पीएम ने कहा कि पहले ओडिशा, फिर हरियाणा, अब महाराष्ट्र। यही बीजेपी की विशेषता है। यह भाजपा कार्यकर्ताओं का सामर्थ्य है। महाराष्ट्र चुनाव, हरियाणा चुनाव और देशभर में हुए उपचुनाव के नतीजों ने पूरे देश में जो विश्वास भर दिया है, वो मुझे आपकी आंखों नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि पांच दिन पहले मुझे दिल्ली में ओडिशा पर्व के शानदार समारोह में शामिल होने का अवसर मिला था। ओडिशा पर्व में उड़िया विरासत और गौरव के वो भव्य दर्शन, ओडिशा के लोगों का स्नेह और अपनापन मेरे लिए बहुत ही यादगार पल हैं। प्रधानमंत्री बोले कि आज केंद्र की भाजपा सरकार ओडिशा के गौरव को और ओडिशा को बड़ी प्राथमिकता दे रही है।

पत्नी के कैंसर के इलाज के दावे को लेकर सिद्धू को 850 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी नवजोत सिंह सिद्धू की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सिद्धू ने हाल ही में दावा किया था कि उन्होंने आयुर्वेद के माध्यम से अपनी पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू के कैंसर इलाज किया है। हालांकि उनके इस दावे को विशेषज्ञों ने खारिज कर दिया था। ऐसे में अब नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी को छत्तीसगढ़ सिविल सोसाइटी (सीसीएस) से 850 करोड़ रुपये का नोटिस भेजा है। सिद्धू ने दावा किया था कि उनकी पत्नी नवजोत कौर का स्टेज 4 कैंसर का इलाज एक डाइट प्लान से किया गया है। इस डाइट प्लान से उन्होंने अपनी पत्नी के कैंसर का इलाज किया है। सिद्धू ने यह भी कहा कि मेरे लिए डॉक्टर भगवान का रूप है। शुरूआत में कैंसर पर एलोपैथी से ही काबू पाया गया। मेरे घर में एक डॉक्टर रह चुके हैं। उन्होंने अपनी पत्नी का पूरा डाइट प्लान इंटरनेट मीडिया पर जारी किया। हालांकि बाद में सिद्धू को इस दावे की वजह से देश भर के डॉक्टरों और स्वास्थ्य पेशेवरों को कड़ी प्रतिक्रिया झेलनी पड़ी थी। सोसाइटी के संयोजक डॉ. कुलदीप सोलंकी ने चिंता व्यक्त की कि इस तरह के झूठे दावे लोगों को भ्रमित कर रहे हैं और उन्हें एलोपैथिक दवाओं और चिकित्सा के बारे में नकारात्मक सोचने पर मजबूर कर रहे हैं। यहां तक कि कैंसर रोगियों को दवा लेने से रोकने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिससे उनकी मृत्यु का खतरा बढ़ गया है।

पांच दिनी बैठक का समापन, अगली बैठक अगले साल 26 से 30 मई को मास्को में होगी

यूरेशियन ग्रुप की बैठक में भारत ने उठाया सीमा पार से आतंकी फंडिंग का मुद्दा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। यूरेशियन समूह की पांच दिनी बैठक शुक्रवार को संपन्न हुई। बैठक में आए सुझावों व निष्कर्षों का पालन समूह के सदस्य देश करेंगे। बैठक में भारत के प्रतिनिधियों ने आतंकवाद के लिए सीमा पार से होने वाली फंडिंग का मुद्दा उठाया। बैठक में कहा गया कि अल-कायदा, लश्कर-ए-तोइबा, जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन देश में सक्रिय हैं और उनसे जुड़े आतंकवादियों को दूसरे देशों से फंडिंग होती है। फंडिंग के कई सबूत भारत के पास हैं। यूरेशियन समूह के सदस्य देशों ने भरोसा दिलाया कि मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के लिए होने वाली फंडिंग पर सभी देश एक-दूसरे की मदद करेंगे। यूरेशियन समूह की 41वीं बैठक, रोसफिन मॉनीटरिंग के निदेशक यूरी चिखानचिन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मूल्यांकन रिपोर्ट की समीक्षा की गई और उसे मंजूरी दी गई। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव विवेक अग्रवाल ने बताया कि आपसी सहयोग भी सदस्य देशों को दिया जाएगा। ईरान को एफएटीएफ की ब्लैक लिस्ट में शामिल है। इससे निकलने के लिए भारत ईरान को तकनीकी सहयोग देगा।

मनी लॉन्ड्रिंग व टेरर फंडिंग की समीक्षा

विवेक अग्रवाल ने बताया कि बैठक में इस वर्ष मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण के मामलों की समीक्षा की गई। सदस्य देशों को बताया गया कि क्रिप्टो करेंसी और फर्जी नामों से अकाउंट खोलकर आतंकी फंडिंग

की जा रही है। टेरर फंडिंग में अक्सर विदेशी सहित क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजर्स और क्रिप्टो वॉलेट शामिल होते हैं, जो मुख्य रूप से प्रॉक्सी के नाम पर खोले जाते हैं। उनकी जांच के लिए सामूहिक रूप से निगरानी जरूरी है।

भारत की राय को सभी ने दी सहमति

बैठक में भारत ने अपना मत रखा। भारत की ओर से कहा गया कि हम चाहते हैं कि हमारे सदस्य देशों के जो एफआईयूज, इंटेलिजेंस शेयरिंग ऑगेर्नाइजेशन हैं वो भी ऐसी संस्थाओं और टेरेरिस्ट ऑउटफिट्स पर निगरानी रखें, उसकी जानकारी हमें दें। बैठक में इस पर भी सहमति बनी। हालांकि पूर्व में भी इंटेलिजेंस शेयरिंग हो रही है लेकिन यह सुदढ़ हो। भारत ने कहा कि जितने भी ईएजी देशों के एफआईयू हैं वो आपस में मिलकर फाइनेशियल इंटेलिजेंस को शेयर करें। उस पर भी विचार और रिसॉल्युशन भी हुआ। अग्रवाल ने बताया कि भारत का इवॉल्युशन एफएटीए, ईपीजी और ईएजी ने ज्वाइंट तरीके से किया है। इसकी लीडरशिप एफएटीए द्वारा की जा रही है। यूएई को ऑबर्जवर बनाने का बड़ा फायदा यह होगा कि नॉर्थ अफ्रीका और मिडिलस्ट का प्रॉमिनेंट सदस्य है। वह इसकी अध्यक्षता भी हासिल करने वाला है।

टेरर फंडिग पर होगी कसावट

चेयरमैन चिखानचिन ने कहा कि भारत के इंदौर में आयोजित ईएजी बैठक में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए ईएजी के सभी सदस्य देश, एफएटीएफ सचिवालय, एफएटीएफ-शैली के क्षेत्रीय निकायों (एमईएनएएफएटीएफ, एपीजी, ईएसएएएमएलजी) के प्रतिनिधियों के साथ-साथ आर्मेनिया, ईरान, यूएसए, जापान, ईडीबी, ईईसी, यूएई, सभदी अरब और श्रीलंका के पर्यवेक्षकों और आमंत्रित प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया। चिखानचिन ने कहा कि 2024 के लिए नए मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण जोखिमों के संबंध में ईएजी सदस्य राज्यों में परिचालन वातावरण की समीक्षा की गई। यह नोट किया गया कि मनी लॉन्ड्रिंग में तेजी से बहुस्तरीय योजनाएं शामिल हो रही हैं। इसमें पेशेवर लॉन्डरर्स, क्रिप्टोकरेंसी, प्रॉक्सी व्यक्तियों (ड्रॉप्स) के भुगतान विवरण और नकदी शामिल हैं।

ईएजी सदस्य देश पुरस्कृत

पूर्ण बैठक के दौरान सर्वश्रेष्ठ वित्तीय विश्लेषण के लिए ईएजी सदस्य देशों के वित्तीय संस्थानों के बीच प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। विजेता कजाकिस्तान का एक प्रतिनिधि था। इसके अलावा तुर्कमेनिस्तान और ताजिकिस्तान के प्रतिनिधियों को भी पुरस्कार दिए गए। सप्ताह के दौरान एक औपचारिक समारोह भी आयोजित किया गया था। यूरेशिया समूह की 42 वीं बैठक मास्को में अगले साल 26 से 30 मई को होगी।

विजयपुर उपचुनाव में राम सिंह रावत की हार के बाद दावेदारी का दौर

मंत्री नागर सिंह फिर से वन मंत्रालय संभालने के लिए तैयार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। विजयपुर उपचुनाव में राम सिंह रावत की हार के बाद वन मंत्रालय पद पाने के लिए कई विधायक व मंत्री लांबिंग कर रहे है। इसमें नागर सिंह चौहान और विजय शाह सबसे आगे हं। पहले नागर सिंह चौहान के पास वन मंत्रालय था। शुक्रवार को एक बैठक के सिलसिले में इंदौर आए मंत्री नागर सिंह चौहान ने कहा कि वन मंत्रालय किसे देना है, यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। अगर मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी जाती है तो मैं उसे लेने के लिए तैयार हूं।

दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों से मुलाकात को लेकर उन्होंने कहा कि दिल्ली और भोपाल अकसर जाना होता है। मेरी पत्नी सांसद है। इस कारण दिल्ली जाना हुआ। विकास के मुद्दे व मंत्रिमंडल को लेकर भी चर्चा हुई। संगठन के सामने वन मंत्रालय की बात रखने के सवाल पर मंत्री नागर सिंह चौहान ने कहा कि संगठन में हर व्यक्ति को बात रखने का अधिकार हैं। मैं अपनी बात नहीं रखता लेकिन मेरे अपने बहुत सारे नेता और कार्यकर्ता है, जो वह बात रखते है क्योंकि वह विषय को समझते हैं। हालांकि किसे क्या दायित्व देना है, यह हमारा संगठन तय करता हैं।

मंत्रालय लिए जाने से नाराज थे नागर सिंह

पहले नागर सिंह चौहान के पास वन और अनुसूचित कल्याण विभाग था। रामनिवास रावत के भाजपा में आने के बाद मंत्रिमंडल

विस्तार में उन्हें मंत्री बनाया गया और वन मंत्रालय नागर सिंह चौहान से लेकर उन्हें सौंपा गया।मंत्रालय लिए जाने से तब नागर सिंह चौहान काफी नाराज थे और अपनी बात रखने दिल्ली भी गए थे। हालांकि, वरिष्ठ नेतागणों से बात करने के पश्चात वे मान गए थे। लोकसभा चुनाव के समय भाजपा संगठन ने उनकी पत्नी अनिता चौहान को रतलाम-झाबुआ सीट से लोकसभा उम्मीदवार बनाया था। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया को चुनाव हराया था।

मैं ट्राइबल नेता, लोगों को मुझसे उम्मीदें

मंत्री नागर सिंह चौहान ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं फिलहाल अनुसूचित जाति कल्याण विभाग का दायित्व निभा रहा हूं। चूंकि मैं ट्राइबल नेता हूं, कई लोगों की अपेक्षाएं हैं। लेकिन मुझे लगता है यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है, अगर वह मुझे दायित्व सौंपते हैं तो जरूर काम करेंगे, उसमें क्या दिक्कत हैं।

बीजेपी का हर कार्यकर्ता स्वतंत्र

विजय शाह के भी वन विभाग के लिए लॉबिंग पर पूछे गए सवाल पर चौहान ने कहा कि बीजेपी का हर कार्यकर्ता स्वतंत्र है। मंत्री विधायक ही बनते हैं। पार्टी के 164 विधायकों में से 32-33 मंत्री हैं, बाकी विधायक भी मंत्री बनने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है कि वह किसे मंत्रालय देते हैं।

संगठन मंत्री ने मांगा इंदौर के विधायकों का रिपोर्ट कार्ड, की वन-टू-वन चर्चा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में विधायकों का रिपोर्ट कार्ड देखने के लिए बीजेपी ने संभागीय बैठक आयोजित की। मप्र और छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल शुक्रवार को बीजेपी की संभागीय बैठक लेने पहुंचे। जामवाल ने बैठक में विधायकों से वन-टू-वन चर्चा करने के साथ ही उनका रिपोर्ट कार्ड भी मांगा। इसके अलावा, संगठन चुनाव को लेकर पार्टी आलाकमान की ओर से जारी दिशा-निर्देश भी दिए गए। बीजेपी मप्र के प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती ने बताया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विधायकों के एक साल पूरे होने पर उनके काम का रिपोर्ट कार्ड तैयार किया जाए। विधायकों को 15 करोड़ रुपये की राशि मप्र सरकार ने दी थी, वह राशि कहां और कैसे खर्च की गई, इसका ब्यौरा भी लिया गया। साथ ही, विधायक संगठन और सरकार से क्या अपेक्षाएं रखते हैं, इस पर भी चर्चा की गई।

संघ के स्वयंसेवकों को प्राथमिकता दें

बीजेपी सूत्रों ने बताया कि अजय जामवाल ने बैठक के दौरान इंदौर संभाग के विधायकों से कहा कि सत्ता में रहते हुए संघ और वैचारिक संगठनों को न भूलें। दोनों के साथ तालमेल बनाए रखें। अगर संघ या वैचारिक संगठन का कोई सदस्य आपके पास आता है, तो उसे प्राथमिकता दें। जामवाल ने प्रशासनिक अधिकारियों के कामकाज को लेकर भी फीडबैक लिया। उन्होंने पूछा कि क्या प्रशासनिक अधिकारी विधायकों की बात सुनते हैं, और क्या उनकी कार्यशैली ठीक है। साथ ही, प्रदेश सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर भी चर्चा की।

सक्रियता और निष्क्रियता की रिपर्ट हो रही तैयार

बीजेपी नेताओं ने बताया कि क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल प्रदेश के सभी संभागों में जाकर सांसदों और विधायकों से फीडबैक ले रहे हैं। संगठन विधायकों की सक्रियता और निष्क्रियता दोनों की रिपोर्ट तैयार कर पार्टी आलाकमान को भेज रहा है। इसके तहत प्रदेश के सभी जनप्रतिनिधियों की पूरी डिटेल रिपोर्ट बनाकर पार्टी आलाकमान को भेजी जाएगी। इंदौर स्थित पार्टी के संभागीय कार्यालय में आयोजित बैठक में इंदौर संभाग और मालवा-निमाड़ के जिलों के सांसद और विधायक शामिल हुए। अजय जामवाल ने सभी से सामूहिक चर्चा के साथ वन-टू-वन बातचीत भी की। बैठक में कामकाज, गतिविधियों और जनता के मुद्दों से जुड़े होने पर चर्चा की गई।

बैठक में ये नेता मौजूद रहे

कुल मिलाकर इस बैठक के जरिये सभी सांसदों विधायकों का रिपोर्ट कार्ड तैयार किया गया। पार्टी लगातार सांसदों, विधायकों से फीडबैक ले रही है। बैठक में सा वित्री ठाकुर, पूर्व मंत्री नागर सिंह चौहान, निर्मला भूरिया, रमेश मेंदोला, उषा ठाकुर, मालिनी गौड़, मंजू दादू सहित मालवा-निमाड़ के सभी विधायक मौजूद रहे। संगठन की ओर से संभागीय प्रभारी राघवेंद्र गौतम, नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे और जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा भी शामिल हुए। संगठन चुनाव की प्रक्रिया बूथ समितियों और अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद मंडल, जिला और नगर अध्यक्षों के चुनाव तक चलेगी।

बंधुआ मजदूर बनाकर रखी गई 10 साल की लड़की का रेस्क्यू

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में 10 साल की बच्ची को बंधुआ मजदूर बनाकर काम कराने का मामला सामने आया है। बच्ची के चेहरे और कान पर चोट के निशान हैं। उसे रेस्क्यू कर मेडिकल चेकअप के बाद शेल्टर होम में रखा गया है। बच्ची को लसूडिया थाना क्षेत्र के निपानिया स्थित स्पेस पार्क में बी ब्लॉक के फ्लैट नंबर 213 से छुड़ाया गया है। गुरुवार रात पड़ोसियों ने एनजीओ ह्यआसह्न को सूचना दी थी कि इस फ्लैट में रहने वाले मानवेंद्र सिंह और उनकी पत्नी कुछ महीने पहले बच्ची को किसी गांव से लाए हैं। वे उससे घर का काम करवाते हैं। कई बार उसके रोने-चिल्लाने की आवाज आती है। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस, श्रम विभाग, चाइल्ड लाइन और संस्था आस की टीमें मौके पर पहुंचीं। यहां देखा कि बच्ची फ्लैट में एक कोने में डरी-सहमी बैठी थी। उसके चेहरे पर नाखून के निशान और कान में चोट थी। कान की चोट पर हल्दी लगी थी। पूछने पर उसने बताया कि यह चोट नल से लगी है जबकि नाखून के निशान को लेकर वह कुछ नहीं बोली। बच्ची ने बताया कि वह सीधी के एक गांव की रहने वाली है। माता-पिता खेत में मजदूरी करते हैं। 6 भाई-बहन हैं। बालिका ने बताया कि वह घरेलू काम करने के साथ ही दंपती की डेढ़ साल की बच्ची को भी संभालती है। मानवेंद्र सिंह की पत्नी उसे गांव से साथ लाई थी। उससे पहले दंपती बड़ी बहन को लाए थे, लेकिन कुछ दिन रहने के बाद उसने मना कर दिया। इसके बाद महिला ने बच्ची के पिता से बात की और उसे यहां ले आई। टीम को पूछताछ में पता लगा कि बालिका स्कूल भी नहीं जाती है और न ही उसका आधार कार्ड है। रेस्क्यू टीम ने रात में ही बालिका का मेडिकल कराकर शेल्टर होम पहुंचाया। टीम को आशंका है कि बालिका डर के कारण झूठ बोल रही है। उसकी काउंसिलिंग की जा रही है। उसके पिता को सूचना देकर इंदौर बुलवाया गया है। दंपती से भी पूछताछ की जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट, बच्ची, पिता और दंपती के बयान के बाद ही सारी स्थिति स्पष्ट होगी।

चर्चित हनीट्रैप मामले के फरियादी हरभजन सिंह का रीवा में निधन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मप्र के चर्चित हनीट्रैप कांड के फरियादी रहे इंदौर नगर निगम के पूर्व सिटी इंजीनियर हरभजन सिंह का रीवा में निधन हो गया। उनका शव रीवा स्थित उनके पैतृक निवास के कमरे में मिला। उनका निधन संभवतः दिल का दौरा पड़ने से हुआ। पड़ोसियों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हरभजन सिंह की पत्नी अपने बेटे के साथ दूसरे शहर में रहती हैं। उन्हें भी सूचना दे दी गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है, ताकि मौत के कारणों का खुलासा हो सके। बता दें, हरभजन सिंह की शिकायत पर मध्यप्रदेश के चर्चित हनीट्रैप कांड का खुलासा इंदौर पुलिस ने किया था। मामले में चार महिलाएं गिरफ्तार हुई थीं। हरभजन ने शिकायत में कहा था कि महिलाएं उन्हें वीडियो रिकॉर्डिंग के नाम पर ब्लैक मेल कर रही हैं। बाद में पुलिस ने भोपाल और इंदौर से चार महिलाओं को गिरफ्तार किया था। बाद में एक आरोपी महिला ने हरभजन सिंह के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत की थी। इसके बाद हरभजन पर भी पुलिस ने केस दर्ज कर दिया था। इसके बाद हरभजन को निलंबित कर दिया था और उनका मुख्यालय रीवा कर दिया गया। निलंबन के कुछ दिनों तक हरभजन सिंह इंदौर में ग्रेटर कैलाश मार्ग पर रहे। फिर वे रीवा स्थित अपने पैतृक निवास पर रहने चले गए थे। बता दें कि 17 सितंबर 2019 में हनी ट्रैप मामला सामने आया था। नगर निगम इंदौर के तत्कालीन चीफ इंजीनियर हरभजन सिंह को कुछ युवतियों ने अश्लील वीडियो के नाम पर ब्लैकमेल किया था। 3 करोड़ रुपए की मांग की गई थी, इसकी पलासिया पुलिस थाने में शिकायत की थी। पुलिस ने 6 महिलाओं समेत आठ को आरोपी बनाया। आरती, मोनिका, श्वेता (पति विजय), श्वेता (पति स्वप्निल), बरखा को गिरफ्तार कर कोर्ट ने जेल भेज दिया था। इनके अलावा गाड़ी ड्राइवर ओमप्रकाश कोरी को भी गिरफ्तार किया गया था। बाद में सभी की जमानत हो गई थी।इस केस में अभिषेक ठाकुर, रूपा भी आरोपी हैं।

समूह में रुपए जमा करने के नाम पर महिला के साथ धोखाधड़ी

इंदौर। इंदौर के हातोद में एक महिला से समूह में रुपए जमा करने के नाम पर धोखाधड़ी हो गई। महिला के नाम पर तीन और डेढ़ लाख रुपए के दो फंड चालू कराए गए। फिर हर माह रुपए जमा कराए जाने लगे। लेकिन फंड खोलने वाले ने लालच में आकर महिला को रुपए नहीं दिए। महिला के विरोध करने पर कुछ दिनों बाद 10 हजार रुपए प्रतिमाह देने की बात की। बावजूद इसके आरोपी ने महिला को रुपए वापस नहीं दिए। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया है। चंदन नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, बबीता पांचाल निवासी शांति पार्क कॉलोनी हातोद की शिकायत पर मुकेश गोयल निवासी रामानंद नगर के खिलाफ अमानत में खयानत को लेकर केस दर्ज किया गया है। बबीता ने बताया कि उसने 1 नवंबर 2021 को 20 हजार रुपए प्रतिमाह और 20 मार्च 2022 को 10 हजार प्रतिमाह से तीन और डेढ़ लाख के फंड मुकेश गोयल के पास खोले थे। जिसमें हर माह फंड खुलता था। 1 जनवरी 2023 को उसका फंड खुला। फंड खुलने के बाद मुकेश ने दोनों के रुपए अपने पास रखे। कई दिनों तक रुपए नहीं लौटाए। मांगे पर आनाकानी करता। काफी दबाव बनाने के बाद अक्टूबर 2023 में 10 हजार प्रतिमाह से रुपए वापस करने की बात कही। इसके बाद सिक्योरिटी के तौर पर चेक दिया गया। बावजूद इसके मुकेश ने रुपए नही दिए। परेशान होकर पीड़िता ने मामले में पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने जांच कर आरोपी पर केस दर्ज किया है।

बॉडी बिल्डर वंदना ठाकुर बनीं स्वच्छता मिशन की ब्रांड एम्बेसडर

इंदौर। इंदौर नगर निगम ने अपने स्वच्छता मिशन को और अधिक प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश की पहली महिला बॉडीबिल्डर वंदना ठाकुर को ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। वंदना ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी मेहनत और लगन से भारत का नाम रोशन किया है। उन्होंने हाल ही में इंडोनेशिया के बाटम में आयोजित एशियन बॉडी-बिल्डिंग चैंपियनशिप 2024 में सिल्वर मेडल जीतकर सभी प्रदेश व देशवासियों को गौरवान्वित होने का अवसर दिया। यही नहीं उन्होंने एशियन बॉडी-बिल्डिंग में सिल्वर और राष्ट्रीय बॉडी-बिल्डिंग स्पर्धा में भी दो बार कांस्य और दो बार रजत पदक जीतकर अपनी काबिलियत का परिचय दिया है।

इंदौर लालबाग पैलेस मे 30 नवंबर 2024 को प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान निम्नानुसार रहेगी यातायात व्यवस्था

सिटी चीफ इंदौर।

प्रात: 10:00 बजे से कलेक्ट्रेट से महू नाका की तरफ जाने वाले व इसी प्रकार महू नाका से कलेक्टर कार्यालय के लिए जाने के लिए उक्त मार्ग का उपयोग न करें। जो लोग कलेक्टर कार्यालय से महू नाके की तरफ आवागमन करना चाहते हैं वे लोग मोती तबेला, मच्छी बाजार, बियाबनी होकर महू नाका की तरफ आवागमन करना अधिक सुविधाजनक होगा। कार्यक्रम में भाग लेने वाले श्रद्धालु अपने वाहनों को धोबी घाट कर्बला मैदान, दशहरा मैदान एवं खालसा स्कूल में पार्क कर सकते हैं।

डायवर्सन:

1. लोक परिवहन वाहन एवं अन्य चार पहिया वाहनों का डायवर्सन: जो लोक परिवहन बस एवं अन्य चार पहिया वाहन भंवरकुँआ, टावर से महूनाका की ओर जाना चाहते है। वह टावर, पलसीकर से माणिकबाग ब्रिज के निचे से राईट टर्न कर पुराना आरटीओ के पीछे से मधुवन कालोनी अन्नपूर्णा थाना उषानगर चौराहे से अन्नपूर्णा रंजीत हनुमान आ जा सकेंगे

2. जो वाहन राजबाड़े से कलेक्ट्रेट होकर महुनाका कि तरफ जाने चाहते है वे माणिक बाग ब्रिज के निचे से राईट टर्न कर पुराना आरटीओ के पीछे से मधुवन कालोनी अन्नपूर्णा थाना उषानगर चौराहे से अन्नपूर्णा रंजीत हनुमान आ जा सकेंगे ।

3. प्रायवेट चार पहिया एवं दो पहिया वाहन जो पलसीकर तरफ से महूनाका, अन्नपूर्णा, फुठी कोठी तरफ जाना चाहते है वह पलसीकर से माणिकबाग ब्रिज, के निचे से राईट टर्न कर पुराना आरटीओ के पीछे से मधुवन कालोनी अन्नपूर्णा थाना उषानगर चौराहे से अन्नपूर्णा रंजीत हनुमान आ जा सकेंगे ।

4. फुठी कोठी, अन्नपूर्णा रोड़ तरफ से आने वाले लोक परिवहन के वाहनो को महूनाका से राजमोहल्ला, यशवंत चौक से पलसीकर होते हुये भंवरकुँआ की तरफ जा सकते है।

5. अन्नपूर्णा रोड़ तथा फूठी कोठी तरफ से यशवंत रोड़ तरफ से जाने वाले प्रायवेट चार पहिया एवं दो पहिया वाहनों को महूनाका से छत्रीपुरा, मालगंज, नृसिंह बाजार से यशवंत रोड़ की ओर जा सकते है।

6. चार पहिया, दो पहिया प्रायवेट वाहन चालक जो भंवरकुँआ, टावर की तरफ जाना चाहते है वह महूनाका से आरटीओ रोड़ होते हुये केशर बाग रेल्वे क्रासिंग से चौईथराम होते हुए एवं पल्सीकर सोनकर धर्मशाला जूनी इंदौर ब्रिज से, टावर भंवरकुआ कि ओर जा सकेंगे।

सजने लगीं रुहानी महफिलें, सबकी भलाई की ताकीद के साथ शुरू हुआ चार दिनी आलमी इज्तिमा

77वां आलमी तब्लीगी इज्तिमा शुरू, भोपाल पहुंचे 22 देशों से लोग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। अल्लाह की फरमा बरदारी... सबके लिए अच्छे ख्याल... लोगों की मदद के लिए तत्परता... नमाज की पाबंदी और पैगंबर हजरत मुहम्मद सअस के बताए रास्तों पर चलकर दुनिया और आखिरत की कामयाबी पाना... जिंदगी का यह उसूल रखा जाएगा, तो निश्चित तौर पर हमारा दुनिया में आने का मकसद पूरा माना जाएगा। मजहबी समागम, बातों, बयानों से इसी बात की मेहनत की जा रही है। इज्तिमा के जोड़ भी इसीलिए किए जाते हैं। दुनिया की भीड़ में बैठकर, दुनिया की बातों को दरकिनार रखना इन इज्तिमा का एक अहम शगल है। राजधानी भोपाल का ईंटखेड़ी इलाका एक बड़े इज्तिमागाह में तब्दील है। शुक्रवार सुबह फजिर की नमाज के बाद शुरू हुआ बयान और तकरीर का दौर अब सतत चार दिन तक चलता रहेगा। सुबह फजिर की नमाज के बाद, दोपहर में खानपान और जौहर की नमाज से फारिग होने के बाद यहां खास बयान होंगे। शाम को मगरिब की नमाज के बाद मजमा ए खास जुटेगा, जिसे दिल्ली मरकज से आए मौलाना सआद साहब कांधलवी संबोधित करेंगे। शहर के वह लोग, जो अपनी दिनभर की कामकाजी मसरूफियत में रहते हैं, वे शाम की इस महफिल में जरूर शामिल होते हैं। इस बार 77वें आलमी तब्लीगी इज्तिमा में 22 देशों से लोग भोपाल पहुंचे हैं।

शुरुआत जुमेरात से

आलमी तबलीगी इज्तिमा का विधिवत प्रोग्राम शुक्रवार को सुबह हजारों जमाते मौजूद हैं। इनकी मौजूदगी में नमाज ए जुमा की अदायगी दोपहर 1.30 बजे की जाएगी। नमाज से पहले जुमा का खुतबा भी हुआ। बड़ी तादाद में शहरवासी भी जुमा अदा करने इज्तिमागाह पहुंचेगे।

होंगे सैंकड़ों निकाह

इज्तिमा के पहले दिन शुक्रवार को इज्तिमागाह पर सैंकड़ों निकाह होंगे। महंगी शादियों की सामाजिक बुराई को रोकने की मंशा के साथ किए जाने वाले इस आयोजन के दौरान पूरी तरह सादगी का ख्याल रखा जाता है। न बैंड बाजा, न बारात और आतिशबाजी। जानकारी के मुताबिक इस साल निकाह की तादाद 350 से ज्यादा है। इनमें करीब 100 से ज्यादा निकाह भोपाल के ही बाशिंदों के हैं।

पाकिस्तान को कभी नहीं मिली इज्तिमा में जगह

आजादी से पहले भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश का संयुक्त इज्तिमा हुआ करता था। लेकिन, 1947 में बंटवारे के बाद से बांग्लादेश का अलग इज्तिमा होने लगा। पाकिस्तान की जमाते इसी का हिस्सा बनती हैं। 77 बरस के इज्तिमा इतिहास में भारत के इज्तिमा में कभी पाकिस्तान को जगह नहीं दी गई। पाकिस्तान और बांग्लादेश के अलावा करीब 15 मुल्कों के 150 से अधिक जमाती शामिल हुए हैं। इनमें म्यांमार, मोरक्को, ईराक, यूके, सिंघाई, वरअ, थाईलैंड, बांग्लादेश, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, केनिया, तनिसिया, फ्रांस, इजिप्ट, सूडान, उज्बेकिस्तान, मलेशिया, जर्मनी, सऊदी अरब, क्रिजिस्तान आदि के नागरिक शामिल हैं।

अधिकतर जमातें गुरुवार शाम तक पहुंच गई थीं

शुक्रवार सुबह से शुरू होने वाले इज्तिमा के लिए अधिकतर जमातें गुरुवार शाम तक इज्तिमागाह पहुंच चुकी थीं। इज्तिमा में 4 दिन रुकने वाले शहरवासियों ने भी रात को ही इज्तिमागाह का रुख करना शुरू कर दिया था। भोपाल टॉकीज से लेकर इज्तिमागाह तक यातायात व्यवस्था वालेंटियर्स ने सम्हाल ली है। कुछ मुख्य चौराहों पर पुलिस जवान भी इनका सहयोग कर रहे हैं। रेलवे स्टेशन, नादरा बस स्टैंड के अलावा भोपाल टॉकीज, डीआईजी बंगला, करोंद आदि जगहों पर इस्तकबाल कैंप लगाए गए हैं। जहां से इज्तिमागाह तक निशुल्क वाहन व्यवस्था की गई है। यहां से सफर करने वाले जमातियों के लिए चाय, पानी, वजू, नमाज और आराम के इंतजाम भी इन इस्तकबाल कैंप में किए गए हैं। शहर से इज्तिमागाह तक पहुंच मार्गों पर जमातियों के स्वागत के पोस्टर लगाए गए हैं। सियासी, सामाजिक और अन्य लोगों ने यह पोस्टर लगाए हैं। काजी कैंप से नबी बाग तक मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए बेरीकेट्स लगाए गए थे। जिन्हें यातायात सुविधा के लिहाज से हटाया जा रहा है। काजी कैंप पर फैले दुकानों के अतिक्रमण लोगों ने स्वेच्छा से हटा लिए हैं।

मध्यप्रदेश में आ रहा नया कानून... पब्लिक सेफ्टी एक्ट

शादी-ब्याह से लेकर अस्पताल-स्कूल और होटल तक लगेंगे सीसीटीवी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार जल्द ही पब्लिक सेफ्टी एक्ट लागू करने वाली है। इस कानून के तहत सार्वजनिक और व्यावसायिक जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा। शादी, रैली, कॉलेज, स्कूल, मॉल, रेस्टोरेंट, अस्पताल, राजनीतिक और धार्मिक कार्यक्रम, सभी जगह सीसीटीवी कैमरे लगना अनिवार्य होगा। रिकॉर्डिंग दो महीने तक रखनी होगी और पुलिस मांगे तो देनी होगी। कानून न मानने पर जुमार्ना लगेगा। बता दें कि इसकी तैयारी 2020 से चल रही थी। इंदौर में इस प्रोजेक्ट का पायलट परीक्षण सफल रहा। सितंबर 2024 में इंदौर में इस कानून को आजमाया गया। नगर निगम ने इसके लिए नियम बनाए। हजारों नए सीसीटीवी कैमरे लगे। व्यापारियों ने भी सहयोग किया। एक हादसे मेंसीसीटीवी फुटेज से ही कार चालक पकड़ा गया।

मप्र में इसकी जरूरत क्यों?

मध्य प्रदेश में बढ़ती आबादी और शहरीकरण के कारण निगरानी की जरूरत बढ़ गई है। इसलिए सरकार पब्लिक सेफ्टी एक्ट ला रही है। इस कानून के तहत सार्वजनिक जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा। इससे अपराधों पर रोक लगने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद है। इस कानून का ड्राफ्ट तैयार हो चुका है और इसे विधि विभाग को जांच के लिए भेजा गया है।

कहां जरूरी हैं सीसीटीवी?

इस कानून के दायरे में शादी, रैली, कॉलेज, स्कूल, मॉल, रेस्टोरेंट, अस्पताल जैसे कई स्थान आएंगे। 100 से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने वाली जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने जरूरी होंगे। सीसीटीवी कैमरे लगाने का खर्च आयोजक या प्रतिष्ठान को खुद उठाना होगा। मध्य प्रदेश की आबादी तेजी से बढ़ रही है। 2024 के अंत तक आबादी 8.88 करोड़ होने का अनुमान है। बढ़ती आबादी और शहरीकरण के साथ अपराध भी बढ़ रहे हैं। इसलिए निगरानी की जरूरत महसूस की जा रही है। 2012 के निर्भया कांड के बाद जस्टिस उषा मेहरा आयोग ने भी सार्वजनिक जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की सिफारिश की थी।

सीएम मोहन यादन ने दिए आदेश

यह कानून बनाने की तैयारी 2020 से चल रही थी। तब शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री थे। उन्होंने ही गृह विभाग को इस पर काम शुरू करने को कहा था। ड्राफ्ट भी तैयार हो गया था, लेकिन कानून लागू नहीं हो सका। अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस काम में तेजी लाने को कहा है। इसके लिए चार स्तर की कमेटियां बनाई जाएंगी। सबसे ऊपर मॉनिटरिंग एंड कंट्रोल कमेटी होगी। फिर सुपरवाइजिंग कमेटी, इम्प्लीमेंटेशन कमेटी और सेक्टोरल कमेटी होगी। हर कमेटी के काम और अधिकार तय होंगे। सेक्टोरल कमेटी में स्थानीय दुकानदार और व्यापारी होंगे। इम्प्लीमेंटेशन कमेटी थाना स्तर पर होगी। सुपरवाइजिंग कमेटी औचक निरीक्षण करेगी और जुमार्ना लगाएगी। मॉनिटरिंग एंड कंट्रोल कमेटी सबसे बड़ी कमेटी होगी। वही किसी प्रतिष्ठान को सील करने का आदेश देगी।

तेलंगाना मॉडल पर आधारित है कानून

यह कानून तेलंगाना मॉडल पर आधारित है। तेलंगाना में भी ऐसा ही कानून है। वहाँ सभी प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगाना जरूरी है। तेलंगाना में इस कानून के बाद अपराध कम हुए हैं। इसलिए मध्य प्रदेश ने भी तेलंगाना मॉडल अपनाया है। इसके अलावा मध्य प्रदेश में फायर सेफ्टी एक्ट भी लागू होने वाला है। इसके तहत फायर सेफ्टी टैक्स देना होगा। फायर पुलिस का भी गठन होगा।

फर्जी नर्सिंग कॉलेजों को ढूंढने वाले को एनएसयूआई देगी इनाम

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश का बहुचर्चित नर्सिंग फर्जीवाड़ा नए-नए खुलासों के साथ गंभीर होता जा रहा है। इंडियन नर्सिंग काउंसिल ने 2024-25 सत्र की मान्यता सूची जारी की है। इस सूची में फर्जी कॉलेजों के नाम भी देखने को मिल रहे हैं। एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने शुक्रवार को आयोजित पत्रकारवार्ता में नर्सिंग कॉलेजों में व्याप्त भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होने कहा है कि इस सूची में रानी दुर्गावती कॉलेज, नियर हाई कोर्ट, तहसील भोपाल, जिला भोपाल का नाम शामिल है। इस कॉलेज को ढूंढने वाले को एनएसयूआई ने 1 लाख रुपए का इनाम देगी। उन्होंने ने कहा कि 2023 में उच्च न्यायालय के आदेश पर शुरू हुई सीबीआई जांच की पहली रिपोर्ट में गड़बड़ियां उजागर हुई थीं, अब सीबीआई की दूसरी रिपोर्ट ने चौंकाने वाले तथ्य सामने रखे हैं। रवि परमार ने बताया कि रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के 667 नर्सिंग कॉलेजों में से 309 को डेफिसिएंट (अपर्याप्त) कैटेगरी में रखा गया है। यह आंकड़ा पहली रिपोर्ट की तुलना में चार गुना ज्यादा है। रवि परमार ने आरोप लगाया कि नर्सिंग काउंसिल में भ्रष्टाचार का स्तर इतना बढ़ चुका है कि सीबीआई द्वारा डेफिसिएंट घोषित किए गए नर्सिंग कॉलेजों को ही इंडियन नर्सिंग काउंसिल (नई दिल्ली) ने 2024-25 सत्र के लिए मान्यता जारी कर दी। यह साबित करता है कि इंडियन नर्सिंग काउंसिल और नर्सिंग कॉलेज संचालकों की गहरी मिलीभगत से भ्रष्टाचार हो रहा है। ठरवक प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने शासकीय रानी दुर्गावती नर्सिंग नियर हाईकोर्ट भोपाल को ढूंढ कर लाने वालों 1 लाख रुपए का ईनाम देने की घोषणा की जोकि इंडियन नर्सिंग काउंसिल नई दिल्ली की आधिकारिक वेबसाइट पर 21 नवंबर 2024 को अपलोड मान्यता लिस्ट में शामिल हैं भोपाल के कएर और मार बेसिलस नर्सिंग कॉलेज और प्रदेश के एक दर्जन नर्सिंग कॉलेज की इंडियन नर्सिंग काउंसिल द्वारा दी गई मान्यता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो सीबीआई की डेफिसिएंट लिस्ट में उनको काउंसिल ने किस आधार पर मान्यता जारी की गई।परमार ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि कैसे फर्जी मान्यताएं देकर छात्रों और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। परमार ने बताया कि 2005 से फर्जी नर्सिंग कॉलेज संचालित हो रहे हैं जिनके ऊपर शासन प्रशासन ने ध्यान तक नहीं दिया फर्जी नर्सिंग कॉलेज इतने सालों में लाखों छात्र छात्राओं को रजिस्ट्रेशन (डिग्री) बांट चुके उनकी भी जांच होना चाहिए

परमार ने बताया कि उन्होंने 15 अप्रैल 2024 को सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने कई सूटेबल माने गए नर्सिंग कॉलेजों की संदिग्ध मान्यता पर सवाल उठाए थे। इसके बाद दिल्ली सीबीआई ने जांच तेज की और कई अधिकारियों व दलालों को गिरफ्तार किया। हाईकोर्ट ने सभी 169 सूटेबल और अन्य नर्सिंग कॉलेजों के पुनः निरीक्षण का आदेश दिया।

भोपाल में एक्सरे-मशीन का होगा निर्माण एसीईडीएस लगाएगी इकाई

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जर्मनी की यात्रा पर है। गुरुवार को डॉ. यादव ने निवेशकों से मिलने के बाद एसीईडीएस को भोपाल में भूमि आवंटित की। भोपाल के अचारपुरा में जर्मन कंपनी एसीईडीएस लिमिटेड को 27,200 वर्गमीटर (6.72 एकड़) जमीन आवंटित की गई है। इस समझौते के तहत कंपनी ने भोपाल में अपनी औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का प्रस्ताव दिया है। इस कम्पनी की स्थापना से सैकड़ों लोगों को रोजगार मिलेगा। इस उद्योग की स्थापना से एक्स-रे मशीन निर्माण एवं अन्य उपकरण, सौर ऊर्जा पॉवर प्लांट सहित नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में निवेश लाने को लेकर 24 नवंबर से 30 नवंबर तक यूके और जर्मनी की यात्रा पर है। यह मुख्यमंत्री की पहली विदेश यात्रा है। यह दौरा प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने और प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाईयां देने के लिए किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यूके में उद्योगपतियों से चर्चा की। वहां से प्रदेश में करीब 60 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है। इसके बाद मुख्यमंत्री जर्मनी पहुंचे है। जहां पर प्रदेश में निवेश को लेकर उद्योगपतियों से चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल में जर्मन कंपनी एसीईडीएस को भूमि आवंटन मात्र एक शुरूआत है।

कोहरे में फॉग सेफ डिवाइस की मदद से नहीं कम होगी ट्रेन की रफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। ठंड की दस्तक के साथ कोहरा अपना असर दिखाता है, जिससे रेल की रफ्तार में बाधा खड़ी होती है। भोपाल रेल मंडल में बाधा रहित ट्रेन संचालन के लिए आवश्यक उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। वहीं, ट्रैकमैन को पटाखे उपलब्ध कराए गए हैं। दरअसल, ट्रेन के परिचालन में कोहरा बाधा खड़ी करता है, कोहरे के दौरान दृश्यता बेहद कम हो जाती है, जिससे लोको पायलट के लिए सिग्नल और ट्रैक की स्थिति का सही तरीके से आकलन करना मुश्किल हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों में फॉग सेफ डिवाइस को लोको पायलट की मदद के लिए डिजाइन किया गया है। यह उपकरण सिग्नल की सटीक जानकारी देता है। साथ ही अलग स्थानों पर लगे सिग्नल को विशेष रूप से चेतावनी के साथ बताता है, जिससे ट्रेनों का संचालन सुरक्षित और निर्बाध रूप से हो सके। फॉग सेफ डिवाइस एक जीपीएस आधारित उपकरण है, जो लोको पायलट को उनके मार्ग पर सिग्नलों और अन्य प्रमुख स्थानों की जानकारी देता है। यह उपकरण सिग्नल की दूरी और ट्रेन की गति को स्क्रीन पर प्रदर्शित करता है। इसके अलावा, यह लोको पायलट को अलर्ट भी देता है, जब ट्रेन किसी सिग्नल के करीब होती है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि लोको पायलट को कोहरे के

समय फॉग सेफ डिवाइस के साथ ट्रेनों की गति 75 किलोमीटर प्रति घंटे अथवा जरुरत के मुताबिक रफ्तार रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही सिग्नल की सूचना दशार्ने वाले बोर्ड पर चमकीली पट्टी लगाई जा रही है। इसके अलावा स्टेशन मास्टर को विजिबिलिटी टेस्ट ऑब्जेक्ट (वीटीओ) के उपयोग के निर्देश दिए गए हैं। इससे लोको पायलट को स्टेशन पास होने की जानकारी मिलेगी। इसके अलावा ट्रैकमैन द्वारा लोको पायलट को रास्ते में सिग्नल होने की चेतावनी देने के लिए पटाखे का उपयोग करने के निर्देश देते हुए पर्याप्त मात्रा में पटाखे उपलब्ध कराए गए हैं।

डॉक्टर दंपती को 48 घंटे बंधक रखा, ठग ने खुद को सीबीआई अफसर बताया

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल में साइबर ठगों ने वृद्ध डॉक्टर दंपती को वीडियो कॉल कर 48 घंटे तक बंधक बनाए रखा। वॉशरूम जाने के लिए भी परमिशन लेनी पड़ती थी। आरोपी ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर दंपती को मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी दी। कहा कि बैंक खाते का गलत इस्तेमाल हुआ है। डरी महिला ने गुरुवार को आरोपियों के खाते में 10.50 लाख रुपए ट्रांसफर भी कर दिए।

शुक्रवार को मामले की शिकायत भोपाल पुलिस तक पहुंची। तब दंपती का रेस्क्यू किया गया। इस दौरान फर्जी सीबीआई अफसर और असली पुलिस के बीच वीडियो कॉल पर तीखी नोक-झोंक भी हुई। आरोपियों ने पुलिस से कहा कि हमारे काम में दखल न दें। रागिनी मिश्रा (65) और उनके पति महेशचंद्र मिश्रा (67) रीगल पैराडाइज फेस-2 के सातवें फ्लोर में स्थित फ्लैट नंबर 708 में रहते हैं। दोनों डॉक्टर हैं और कानपुर में पदस्थ रहे हैं। बीते चार सालों से भोपाल में रह रहे हैं।

रागिनी ने पुलिस को बताया कि बुधवार की सुबह मार्निंग वॉक के लिए कॉलोनी में निकली थीं। तभी उन्हें कॉल आया। कॉल करने वाले ने स्वयं को सीबीआई का अधिकारी बताया। कहा कि आपका निजी बैंक का खाता मनी लॉन्ड्रिंग में इस्तेमाल हो रहा है। इसमें में 427 करोड़ रुपए अवैध रूप से आए हैं। कोरिया की एक एयरलाइंस कंपनी ने इस खाते में कई ट्रांजैक्शन किए गए हैं।

पुलिस की वर्दी में थे आरोपी, सीबीआई के बैनर लगे

जब मैंने बैंक में खाता नहीं होने की बात कही तो मुझसे कहा कि खाता खोलने के लिए आपके आधार कार्ड का इस्तेमाल किया है। इससे अन्य खाते भी खोले गए हैं। सभी का इस्तेमाल अवैध कार्यों के लिए किया जा रहा है। इससे मैं घबरा गई। जब मैंने सफाई दी तो आरोपियों ने वीडियो कॉल पर मुझसे बात की। वह पुलिस की वर्दी में था और पीछे का बैक ग्राउंड किसी अधिकारी के कमरे जैसा था। सीबीआई लिखे बैनर भी दिख रहे थे। उसने कहा कि आप भली औरत लग रही हैं। अखबारों और मीडिया में आपकी बदनामी होगी। हम मामले की जांच कराएंगे।

24 घंटे रखी दंपती पर रखी ऑनलाइन निगरानी

आरोपियों ने पीड़िता को भरोसा दिलाया कि केस की जांच कराई जाएगी। आप निर्दोष होंगी तो गिरफ्तारी नहीं की जाएगी। आप जांच में सहयोग करोगी तो हम आगे मदद करेंगे। उन्हें बताया कि ऑनलाइन निगरानी में रहना होगा। उन्हें घर लौटने के लिए कह दिया गया। बाद पीड़िता के घर को 360 डिग्री कैमरा कराकर देखा गया। एक कमरे में उन्हें रहने के लिए कहा गया। जहां उन्होंने स्वयं को बंद कर लिया। पति के लौटने पर उन्होंने मामले की जानकारी दी। पति ने आरोपियों से बात की। उन्होंने उन्हें भी बातों में उलझा कर जांच में सहयोग करने की बात कही। इसके बाद पति और पत्नी को डिजिटल कैद में रख 24 घंटे निगरानी की जाने लगी।

परमिशन लेने के बाद ही वॉशरूम जाने दिया

आरोपी कड़ी निगरानी करती थे। वॉशरूम जाने के लिए भी परमिशन लेनी होती थी। मिनटों के लिए भी इधर-उधर होने पर फटकारा जाता था। किसी का भी कॉल अटैंड नहीं करने दिया जाता था। इस तरह दंपती बुधवार की सुबह 8 बजे से शुक्रवार की दोपहर 2 बजे तक बंधक रहे।

सम्पादकीय

कांग्रेस का ईवीएम बनाम बैलेट पेपर का जन आंदोलन

सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें याचिकाकर्ता ने अर्जी दाखिल कर कहा था कि देश में वोटिंग बैलेट के जरिये कराए जाने का निर्देश दिया जाए। याचिकाकर्ता डॉक्टर केए पॉल ने पीआईएल दाखिल कर कहा था कि चुनाव आयोग को यह भी निर्देश दिया जाए कि वह उन कैंडिडेंट्स को अयोग्य घोषित करे जिसे चुनाव के दौरान शराब बांटने और अन्य प्रलोभन देने का दोषी पाया जाता है। याचिका में बैलेट से मतदान कराए जाने के अलावा कई अन्य दिशा-निर्देश दिए जाने का भी अनुरोध किया गया था।

महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया है-ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है। अब विपक्षी राग इतना उग्र हो चुका है कि राहुल गांधी की बैलेट पेपर यात्रा की खबर सुर्खियों में है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी कहा है कि बैलेट पेपर की वापसी के लिए हमें अब आंदोलन करना चाहिए। यह कांग्रेस की संवैधानिक इच्छा है कि वह ईवीएम बनाम बैलेट पेपर का जन आंदोलन शुरू करे, लेकिन भारत के चुनाव आयोग को यूं ही नहीं कोसा जा सकता। चुनाव आयोग की स्थापना संविधान लागू होने से पूर्व ही कर दी गई थी। संविधान और लोकतंत्र की गरिमा और सफलता तभी है, जब देश में स्वतंत्र, निर्भीक, मुक्त और निष्पक्ष चुनाव हों। संविधान सभा में चुनाव आयोग के प्रारूप पर लंबी बहसें हुई थीं। उन्हीं के बाद संविधान में चुनाव आयोग तथा चुनाव प्रक्रिया से संबंधित 16 अनुच्छेद जोड़े गए थे। उनमें बुनियादी अनुच्छेद 324 भी शामिल था। अब इन तर्कों के कोई भी मायने नहीं रहे कि कांग्रेस जब किसी राज्य में अथवा लोकसभा चुनाव में 100 सीटें जीतती है, तो ईवीएम का भूत कांग्रेसमय हो जाता है। जब हरियाणा और महाराष्ट्र सरीखे महत्वपूर्ण चुनाव हारती है, तो फिर भाजपा का भूत चिल्लाने लगती है। हालांकि झामुमो-कांग्रेस गठबंधन ने झारखंड का चुनाव जीता है और वहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शपथ भी ग्रहण कर चुके हैं। कांग्रेस के ईवीएम पूर्वाग्रह और भूतैले आरोपों पर सर्वोच्च अदालत ने हाल ही में फटकार लगाई है। सर्वोच्च अदालत ईवीएम को दोषमुक्त मानते हुए हरी झंडी भी दे चुकी है। सवाल यह है कि चुनाव आयोग कांग्रेस समेत विपक्ष को आश्वस्त कैसे करे कि ईवीएम में कोई भूत नहीं है, उसे हैक नहीं किया जा सकता अथवा ईवीएम में विसंगतियां नगण्य हैं? अब कांग्रेस ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान कराने पर अड़ी है। चुनाव-प्रक्रिया के पाषाण-काल में लौटने की जिद की जा रही है। बैलेट पेपर से मतदान वाले दिन और दौर हमने भी देखे हैं। कब, कितने बूथ लूट लिए गए अथवा अवैध मतदान किया गया, अवैध बूथ छाप दिए गए या मतदान से पहले ही बैलेट पेपर लीक हो गए और घरों पर बैठ कर उन पर मुहर लगा दी गई? ऐसे असंख्य दृश्य बिहार, उप्र, पश्चिम बंगाल चुनावों के हमें आज भी याद हैं और कौंधते रहते हैं। कांग्रेस ने अधिकतर चुनाव बैलेट युग में ही जीते हैं। क्या अब देश को भी पाषाण-काल में लौट जाना चाहिए? ईवीएम 2004 से भारत में लागू है। तब लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी थी। अगला 2009 का आम चुनाव भी कांग्रेस के पक्ष में रहा था, हालांकि किसी भी पक्ष को बहुमत हासिल नहीं हुआ था। भारत की चुनाव-व्यवस्था विश्वभर में विख्यात और प्रशंसनीय है। बीते 12 साल से 130 से ज्यादा देशों के चुनाव आयुक्त हमारे चुनाव आयोग से सीख रहे हैं। इतना व्यापक मतदान देख कर और उसकी प्रक्रिया जान कर वे विदेशी आयुक्त अचंभित होते हैं। क्या अच्छी तरह चुनाव सम्पन्न कराना महान लोकतंत्र का हिस्सा नहीं है? बेशक हमारे चुनावों पर भ्रष्टाचार, अनपढ़ता, खराब लैंगिक भागीदारी, नागरिक मुक्ति पर हमले और देश की राजनीतिक संस्कृति सरीखे कुछ कलंक भी चस्पा किए जाते रहे हैं। बहरहाल अब मुद्दा ईवीएम का है। सर्वोच्च अदालत और चुनाव आयोग बैलेट पेपर मतदान की संभावनाओं को खारिज कर चुके हैं। ऐसा करना व्यावहारिक नहीं होगा।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें याचिकाकर्ता ने अर्जी दाखिल कर कहा था कि देश में वोटिंग बैलेट के जरिये कराए जाने का निर्देश दिया जाए।

आधुनिक भारत के प्रथम वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस

भारतीय विज्ञान के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखने वाले इन्हीं जगदीश चंद्र बोस का आज जन्मदिन है। जगदीश चंद्र बोस का जन्म 30 नवंबर, 1858 को ढाका के मैमनसिंह (जो अब बांग्लादेश में है) नामक गांव में एक संपन्न बंगाली परिवार में हुआ था। अपनी कुशाग्र बुद्धि, गहन ज्ञान, अनुसंधान और शिक्षण के प्रति अद्भुत उत्साह तथा सुसंस्कृत व्यवहार की बदौलत जगदीश चंद्र बोस आगे चलकर भारत के प्रथम आधुनिक वैज्ञानिक के रूप में मशहूर हुए।

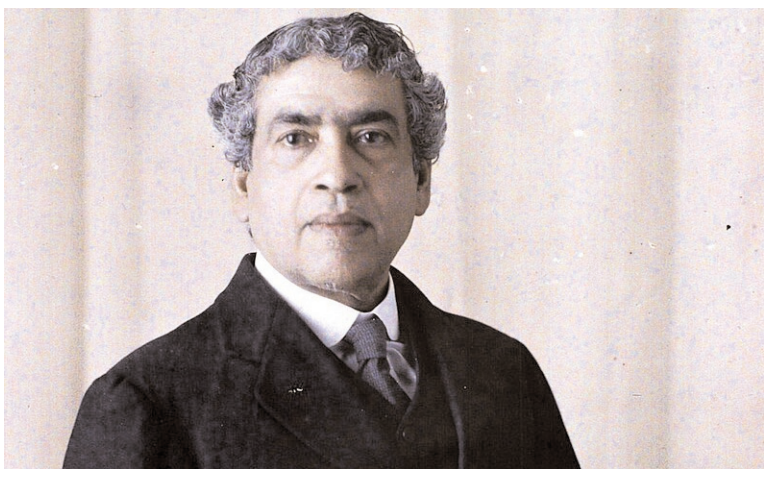

इन्हीं जगदीश चंद्र बोस का आज जन्मदिन है। जगदीश चंद्र बोस का जन्म 30 नवंबर, 1858 को ढाका के मैमनसिंह (जो अब बांग्लादेश में है) नामक गांव में एक संपन्न बंगाली परिवार में हुआ था। उस समय उनके पिता भगवान चंद्र बोस डिप्टी मजिस्ट्रेट थे। भगवान चंद्रभारतीय परंपराओं और संस्कृति के प्रति समर्पित व्यक्ति थे। शायद इसीलिए, उस दौर में जब संपन्न परिवारों के बच्चे कान्वेंट स्कूलों में पढ़ने जाते थे, उन्होंने जगदीश को प्राथमिक शिक्षा एक स्थानीय स्कूल से मातृभाषा बंगाली में दिलवाई।

बाद में उन्होंने कोलकाता के सेंट जेवियर्स स्कूल में दाखिला लिया और कलकत्ता यूनिवर्सिटी से बीए (भौतिकी) की परीक्षा पास की। आगे की पढ़ाई के लिए वे 1880 में इंग्लैंड गए और लंदन में चिकित्साशास्त्र का अध्ययन शुरू कर दिया. लेकिन तबीयत खराब होने की वजह से एक साल बाद ही उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई छोड़ दी। इसके बाद उन्होंने प्राकृतिक विज्ञान पढ़ने के लिए कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया। कैम्ब्रिज में शानदार अकादमिक प्रदर्शन करते हुए 1884 में उन्होंने बीएससी की डिग्री हासिल की। 1884 में ही बोस भारत लौटे। किसी तरह काफी कठिनाइयों के बाद प्रेसीडेंसी कॉलेज में उन्हें भौतिकी के अस्थायी प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति मिली, जिसका वर्णन हम लेख की शुरुआत में कर चुके हैं।

जल्दी ही बोस प्रेसीडेंसी कॉलेज में एक योग्य और निष्ठावान अध्यापक के रूप में जाने लगे। 1894 में अपने 36वें जन्मदिन पर बोस ने शिक्षण की सीमा से बाहर निकल कर वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में भी सक्रिय होने का फैसला किया। लेकिन इसके लिए उनके पास न तो कोई प्रयोगशाला, न कोई उपकरण, और न ही कोई सहयोगी था, ऊपर से अंग्रेजों का अड़ियल रवैया, लेकिन बोस ने इन सबका सामना किया। इसके लिए उन्होंने कॉलेज के एक बंद पड़े गुसलखाने में एक छोटी-सी प्रयोगशाला स्थापित की! यहां तक कि उपकरणों और प्रयोगों के लिए अपना पैसा भी खर्च किया।

बोस ने अपने शोध की शुरुआत विद्युत-चुंबकीय तरंगों (रेडियो और माइक्रोवेव) का अध्ययन करने से किया। इसी क्रम में उन्होंने वायरलेस टेलीग्राफी से संबंधित कई प्रयोगों को अंजाम दिया। उन्होंने 1895 में संचार के लिए रेडियो तरंगों का उपयोग करने का एक तरीका कलकत्ता के टाउनहाल में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया और 1899 में लंदन में रॉयल सोसाइटी में एक शोधपत्र भी प्रकाशित करवाया।

रेडियो तरंगों को पकड़ने के पीछे का विज्ञान सबसे पहले बोस द्वारा ही प्रदर्शित किया गया था, लेकिन वैज्ञानिक ज्ञान के मुक्तउपयोग का पक्षधर होने की वजह से उन्होंने अपने काम का कभी पेटेंट नहीं करवाया। आज गुग्लीमो माकोर्नी को रेडियो का आविष्कारक माना जाता है, जबकि माकोर्नी से दो साल पहले इसको खोजने वाले बोस को इसका श्रेय नहीं मिला! हालांकि वे इससे निराश नहीं हुए और उन्होंने भौतिकी के विभिन्न विषयों पर अपने शोधकार्य जारी रखे।

1896-97 में रॉयल सोसाइटी से प्राप्त एक स्कॉलरशिप के तहत बोस को फ्रांस, इंग्लैंड और जर्मनी की यात्रा करने का अवसर मिला। इस यात्रा के दौरान विभिन्न संस्थानों में दिए गए बोस के भाषणों की काफी प्रशंसा हुई। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लंदन विश्वविद्यालय ने उन्हें कोई परीक्षा लिए बिना ही डाक्टर ऑफ साइंस की उपाधि दे दी!

भारत आने पर बोस ने डिटेक्टरों की खोज पर अपना ध्यान केंद्रित किया। जिस डिटेक्टर की उन्होंने खोज की थी, वह कभी तेज और कभी धीमा प्रदर्शन करता था। यह उन्हें इंसानों की थकान और नई ऊर्जा प्राप्त करने की अवस्था जैसा लगा। इसका नतीजा उन्होंने यह निकाला कि आण्विक स्तर पर डिटेक्टर भी काम, थकान और आराम की प्रक्रिया से गुजरता है। इसने उन्हें सजीव और निर्जीव के बीच संबंधों और उत्तेजनाओं के प्रति पौधों की प्रतिक्रिया के अध्ययन के लिए प्रेरित किया।

बोस ने क्रेस्कोस्कोप नामक एक बेहद संवेदनशील उपकरण का आविष्कार किया जिससे पता चला कि पौधे भी दर्द महसूस कर सकते हैं और वे स्नेह और क्रोध जैसी भावनाओं पर प्रतिक्रिया करते हैं। उन्होंने अपने प्रयोगों के माध्यम से यह भी दर्शाया कि पौधों को क्लोरोफॉर्म लगाकर बेहोश किया जा सकता है। उनके इन प्रयोगों ने वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय को दांतों तले उंगली दबाने को मजबूर कर दिया। उस दौर में बोस के क्रेस्कोस्कोप और अन्य उपकरण लोगों को जादुई लगते थे।

अपनी खोजों को दुनिया के सामने पेश करने का एक सुनहरा मौका उन्हें सन् 1900 में अंतरराष्ट्रीय साइंस कांग्रेस, पेरिस में मिला। भारत में ब्रिटिश सरकार द्वारा पैदा की गई तमाम बाधाओं के बावजूद, बोस अंततः पेरिस जाने में सफल रहे। वहां उन्होंने अकार्बनिक (इनऑर्गेनिक) और सजीव पदार्थों की प्रतिक्रियाओं में समानता विषय पर अपना शोध पत्र पढ़ा। विज्ञान के इतिहास में पहली बार किसी ने उत्तेजनाओं के प्रति जीवित ऊतकों (टिश्यूज) और अकार्बनिक पदार्थों की प्रतिक्रियाओं को एक-दूसरे के सामानांतर रखकर उनकी तुलना की थी। उनके इस भाषण की कई दिग्गज यूरोपीय वैज्ञानिकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की और इसे कांग्रेस का सबसे उत्कृष्ट भाषण माना।

इत्तेफाक से यहीं बोस की मुलाकात स्वामी विवेकानंद से भी हुई। कांग्रेस में बोस का भाषण सुनकर विवेकानंद गदगद हो गए। तब विवेकानंद ने बोस से कहा था- आप अपना पूरा सामर्थ्य वैज्ञानिक अन्वेषण में लगाएं, इससे बढ़कर और कोई देशसेवा नहीं हो सकती। बोस साइंस कांग्रेस के बाद इंग्लैंड गए और वहां पर विभिन्न शोध परियोजनाओं का नेतृत्व किया।

अक्टूबर, 1903 में भारत लौटने तक उन्हें विश्व के एक सम्मानित वैज्ञानिक के रूप में मान्यता मिल चुकी थी। अब अंग्रेज सरकार उनकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। भारत लौटने के बाद बोस ने अपने अनुसंधान कार्यों को जारी रखा। बोस को अपनी खोजों को व्याख्यान के रूप में प्रस्तुत करने के लिए ब्रिटिश सरकार ने 1907 में अमेरिका सहित यूरोप के विभिन्न देशों में भेजा। यहां उनको और उनकी खोजों को खूब सराहना मिली। हम कह सकते कि बोस के करियर की शुरुआत जितना संघर्षों से भरा रहा, बाद में उनके काम को उतना ही सरल सम्मान हासिल हुआ।

1915 में नौकरी से रिटायर होने के बाद बोस को सरकार ने पेंशन देने की बजाय पूरा वेतन देकर 'प्रोफेसर एमेरिटस' का दर्जा दिया। विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदानों को ध्यान में रखते हुए ब्रिटिश सरकार ने 1916 में उन्हें नाइटहुड (सर) की उपाधि से भी सम्मानित किया। बोस रॉयल सोसाइटी, लंदन के फेलो बनने वाले पहले भारतीय वैज्ञानिक भी बने (पहले गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन)।

1917 में आज ही के दिन (30, नवंबर) बोस और उनके मित्रों (विशेषकर रवींद्रनाथ टैगोर) ने देशभर से चंदा इकट्ठा करके कलकत्ता में 'बोस रिसर्च इंस्टीट्यूट' (बसु विज्ञान मंदिर) की स्थापना की। यहीं पर बोस बतौर निदेशक जीवन-पर्यंत शोधकार्यों में जुटे रहे› आज भी यह इंस्टीट्यूट वैश्विक रुझानों के अनुरूप एशिया और भारत में अंतर्विषय अनुसंधान (इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च) की अवधारणा को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है।

बोस एक देशभक्त और सांस्कृतिक राष्ट्रवादी थे। वे अंग्रेजों की गुलामी के सख्त खिलाफ थे। उनकी प्रबल राष्ट्रवादी भावनाओं की ही बदौलत रवींद्रनाथ टैगोर, सुभाष चंद्र बोस, भगिनी निवेदिता, स्वामी विवेकानंद, जदुनाथ सरकार, आचार्य प्रफुल्लचंद्र रे आदि विभूतियों से उनके घनिष्ठ संबंध थे। कहा जाता है कि वे सक्रिय रूप से स्वतन्त्रता आंदोलन में कूदना चाहते थे, लेकिन उनके इन्हीं मित्रों ने उन्हें रोका और समझाया कि वे विज्ञान के जरिये भी देशसेवा कर सकते हैं। 23 नवंबर, 1937 को 80 साल की उम्र में आचार्य बोस का निधन हो गया।

हिमाचल प्रदेश में आज मनाई जाएगी 'दिवाली', चार दिन तक चलेगा उत्सव

हिमाचल प्रदेश देवभूमि है, यहां का रहन-सहन, खान-पान और संस्कृति अपने आप में अनोखी है। हिमाचल प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी अलग संस्कृति है, इसलिए हिमाचल प्रदेश को विविध संस्कृतियों का राज्य भी कहा जाता है। चंबा से लेकर सिरमौर तक, किन्नौर से लेकर लाहौल स्पीति और कांगड़ा तक, सभी क्षेत्र अपने आप में एक समृद्ध संस्कृति को संजोए हुए हैं। इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश के कुछ क्षेत्रों की संस्कृति इतनी अलग है, जो बाहरी लोगों के लिए किसी अचंभे से कम नहीं है। ऐसा ही एक त्यौहार हिमाचल प्रदेश के दूर दराज क्षेत्र जिला सिरमौर में मनाया जाता है। दरअसल, पूरे देश में एक नवंबर को धूमधाम से दिवाली का त्यौहार मनाया गया। लेकिन, जिला सिरमौर के एक बड़े भूभाग में दिवाली का त्यौहार एक महीने के बाद 30 नवंबर को मनाया जाना है, जिसे बूढ़ी दिवाली कहा जाता है।

यूं तो बूढ़ी दिवाली मनाने को लेकर कई प्रकार की कहानियां प्रचलित हैं, लेकिन, इनमें एक सबसे प्रचलित कहानी है। ऐसा माना जाता है कि पिछड़ा क्षेत्र होने के कारण और अयोध्या से दूरी अधिक होने के कारण, इस क्षेत्र में भगवान राम के अयोध्या पहुंचने की खबर देरी से पहुंची थी। यहां लोगों को एक माह बाद भगवान राम के अयोध्या पहुंचने की खबर मिली थी। लोगों को लगा कि भगवान राम इसी अमावस के दिन अयोध्या पहुंचे हैं और लोगों ने एक माह बाद की अमावस को दीवाली के रूप में मनाया। यह परंपरा कई हजार वर्षों से चली आ रही है।

जिला सिरमौर और जिला शिमला के कुछ हिस्सों में चार दिनों तक दिवाली का त्यौहार मनाया जाता है। बूढ़ी दिवाली पर भी इसी परंपरा का निर्वहन किया जाता है। चार दिनों को छोटी दिवाली, बड़ी दिवाली, भ्यूंरी और जोंदोई के रूप में मनाया जाता है। पहले दो दिनों में रात के समय मशालें जलाई जाती हैं और आखिर के 2 दिनों में लोग गांव के सांझें आंगन में एकत्रित होकर पारंपरिक गीतों पर झूमते हैं। इस दौरान गांव से ब्याही हुई बेटियां भी अपने माइके पहुंचती है। चार दिनों में आस्था और लोक परंपरा की झलक देखने को मिलती है।

इस बूढ़ी दीवाली को रामायण और महाभारत से जुड़ाव है। पहले दिन निरमंड में रात भर इस पर्व को मनाते हैं। दूसरे दिन कौरव और पांडव के प्रतीक के तौर पर दो दल रस्साकशी करेंगे। विशेष तौर से बनाई गई मूंजी घास के रस्से से दोनों दल एक-दूसरे के साथ शक्ति प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा रात को एक दल गांव में मशालों के साथ प्रवेश करता है। रात को राज कवि काव्य,रामायण , महाभारत के वीर रस का पान करवाते हैं। बाड़ नृत्य व माला नृत्य के साथ तीन दिनों के बाद निरमंड की बूढ़ी दीवाली का समापन होता है। यही नहीं इसके बाद लगातार फरवरी माह तक लगातार दीपावली यानि दियाली मनाने का सिलसिला जारी रहता है।

जिला कुल्लू का निरमंड 'पहाड़ी काशी' के नाम से प्रसिद्ध है। यह जगह भगवान परशुराम ने बसाई थी। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार एक बार जब वे अपने शिष्यों के साथ भ्रमण कर रहे थे। उसी दौरान एक दैत्य ने सर्पवेश में भगवान परशुराम और उनके शिष्यों पर आक्रमण कर दिया था। इस पर भगवान परशुराम ने अपने परसे से उस दैत्य का वध किया था। दैत्य का वध होने पर वहां के लोगों ने जमकर खुशियां मनाई। जिसे आज भी यहां पर बूढ़ी दिवाली वाले दिन मनाया जाता है। इस अवसर पर यहां महाभारत युद्ध के प्रतीक के रूप में युद्ध के दृश्य अभिनीत किए जाते हैं। इस दौरान लोग परोकड़िया गीत, विरह गीत भयूरी, रासा, नाटियां, स्वांग के साथ हुड़क नृत्य करके जश्न मनाते हैं। कुछ गांवों में बूढ़ी दिवाली के त्योहार पर बढ़ेचू नृत्य करने की परंपरा भी है। कई जगहों पर आधी रात को बुड़ियात नृत्य भी किया जाता है। इस दिन लोग एक-दूसरे को सूखे व्यंजन मूड़ा, चिड़वा, शाकुली, अखरोट बांटकर बधाई देते हैं। इस पर्व का नाम 'बुड्ढी दयावड़ी' है, यहां दयावड़ी का अर्थ संघर्ष है। देशभर में दिवाली कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनाई जाती है, जबकि बूढ़ी दिवाली एक महीने बाद मार्गशीर्ष महीने के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनाई जाती है। बूढ़ी दिवाली मनाने को लेकर कई मान्यताएं हैं। एक कहानी राक्षस वृत्रासुर और देवराज इंद्र के बीच हुई जंग से जुड़ी है। यह वही वृत्रासुर राक्षस था जिसे मारने के लिए ऋषि दधिचि ने इंद्र को अपनी अस्थियां दान कर दी थी। फिर इन्हीं अस्थियों से इंद्र का वज्र तैयार हुआ, जिससे राक्षस वृत्रासुर का वध किया गया था। इसी उपलक्ष्य में इन इलाकों में बूढ़ी दिवाली मनाई जाती है। बूढ़ी दिवाली की रात को देव थनाली, माहूनाग में नृत्य के साथ बूढ़ी दिवाली मानने का पर्व शुरू होता है। इस दौरान लोग हाथों में मशालें लेकर गांव की परिक्रमा करते हैं। बूढ़ी दिवाली के उपलक्ष्य पर करसोग के कांडी कौजौन ममलेश्वर महादेव देव, थनाली मंदिर में रात को भंडारे के बाद देवता के गुर देव खेल के बाद करीब 10 फीट गहरी बावड़ी में छलांग लगाकर कड़ाके की सर्दी में ठंडे पानी में स्नान करते हैं। इसके बाद जयकारों के साथ आधी रात को करीब 1 बजे ग्रामीणों दरेछ (मशालें) जलाकर गांव की परिक्रमा कर सुबह करीब 4 बजे वापस मंदिर में लौटते हैं और गांव में खुशहाली और शांति बनाए रखने के लिए देवता से आशीर्वाद लेते हैं। ममलेश्वर महादेव मंदिर देव थनाली के कारदार युवराज ठाकुर के मुताबिक,करसोग के च्वासी क्षेत्र में सदियों से चली आ रही बूढ़ी दिवाली की परम्परा को आज भी उत्साह के साथ निभाया जा रहा है। क्षेत्र में अन्न-धन और सुख समृद्धि की कामना के लिए बूढ़ी दिवाली की आधी रात लोग मशालें जलाकर गांव की परिक्रमा कर वापस मंदिर में लौटने पर लोक नृत्य के साथ पर्व संपन्न करते हैं।

हिमालयी रोडोडेंड्रॉन फूलों पर जलवायु परिवर्तन का खतरा

हिमालय, भारत का भव्य मुकुट, अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है। यहां की अनमोल जैव विविधताके खजानों में से एक हैं रोडोडेंड्रॉन के रंग-बिरंगे फूल, जो हर वसंत में अपने शानदार रंगों से पहाड़ों को सजाते हैं। भारत में रोडोडेंड्रॉन की लगभग 132 प्रजातियां (टैक्सा) पाई जाती हैं, जिनमें 80 प्रजातियां, 25 उपप्रजातियां और 27 किस्में शामिल हैं। सदियों से, रोडोडेंड्रॉन हिमालय के ठंडे और नम वातावरण में फलते-फूलते रहे हैं और अपनी जीवंत सुंदरता से पहाड़ियों की शोभा बढ़ाते रहे हैं। भारत में ये फूल लोगों के दिलों में खास जगह रखते हैं। उत्तराखंड का राज्य वृक्ष, रोडोडेंड्रॉन अर्बोरियम के चमकदार लाल फूल और रोडोडेंड्रॉन कैंपानुलाटम के कोमल गुलाबी फूल, क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर में गहराई से रचे-बसे हैं। ये फूल मंदिरों और घरों को सजाते हैं तथा स्थानीय संस्कृति और परंपराओं से गहराई से जुड़े हुए हैं और लंबे समय से सौंदर्य और प्रेरणा का स्रोत रहे हैं। लेकिन अब, ये फूल अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और एक मौन खतरा उनके भविष्य पर काली छाया डाल रहा है। जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान और अनियमित मौसम के पैटर्न के साथ, हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के नाजुक संतुलन को बिगाड़ रहा है और रोडोडेंड्रॉन इस बदलाव का शिकार हो रहे हैं। जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है और बारिश के पैटर्न अनियमित हो रहे हैं, रोडोडेंड्रॉन खुद को अनुकूलित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वैज्ञानिक इन पौधों की वृद्धि, फूलने के पैटर्न और वितरण में चिंताजनक बदलाव देख रहे हैं, जिससे उनके दीर्घकालिक अस्तित्व और नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं। हिमालय, जिसे अक्सर तीसरा ध्रुव कहा जाता है, जलवायु परिवर्तन के तीव्र प्रभावों का सामना कर रहा है। इस परिवर्तन का प्रभाव केवल रोडोडेंड्रॉन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र और इसके द्वारा पोषित लाखों लोगों पर असर डाल रहा है। हिमालय में तापमान वैश्विक औसत से अधिक तेजी से बढ़ रहा है। नेचर क्लाइमेट चेंज में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, 1970 के दशक से हिमालय का तापमान 1.5त्ड तक बढ़ गया है, और उच्चतम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में यह वृद्धि सबसे अधिक है। यह तेजी से बढ़ता तापमान पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बिगाड़ रहा है। हिमालय में वर्षा का पैटर्न अस्थिर होता जा रहा है। कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन हो रहे हैं, जबकि अन्य क्षेत्र लंबे समय तक सूखे का सामना कर रहे हैं। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक रिपोर्ट बताती है कि हिमालयी क्षेत्र में अत्यधिक वर्षा की घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे मानव बस्तियों और प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र को खतरा है। हिमालय में जलवायु परिवर्तन का सबसे स्पष्ट प्रभाव ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना है। अंतरराष्ट्रीय पर्वतीय विकास केंद्र (आईसीआईएमओडी) के अनुसार, हिंदू कुश हिमालय में ग्लेशियर पिछले तीन दशकों में 15त्न तक सिकुड़ गए हैं। यह ग्लेशियर पिघलने की प्रक्रिया हिमालयी नदियों के जल चक्र को प्रभावित कर रही है और ग्लेशियल झीलों के निर्माण का कारण बन रही है, जो ग्लेशियल झील विस्फोट बाढ़ (ग्लोफ्स) का जोखिम पैदा कर रही हैं। हिमालयी रोडोडेंड्रॉन, जो कठोर पर्वतीय परिस्थितियों में भी अपनी दृढ़ता का प्रतीक माने जाते थे लेकिन अब अभूतपूर्व पर्यावरणीय बदलावों के प्रति संवेदनशील हो रहे हैं। जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, रोडोडेंड्रॉन ठंडी जगहों की तलाश में उच्च ऊंचाई की ओर बढ़ रहे हैं। बायोडायवर्सिटी एंड कंजर्वेशन में प्रकाशित माओ एट अल. द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि सिक्किम हिमालय के कई रोडोडेंड्रॉन प्रजातियां ऊंचाई में हर साल 1.3 मीटर की दर से ऊपर की ओर स्थानांतरित हो रही हैं। रोडोडेंड्रॉन के फूलने का समय तापमान संकेतों से जुड़ा हुआ है। इसी तरह, करंट साइंस में प्रकाशित शोध के अनुसार, उत्तराखंड हिमालय में रोडोडेंड्रॉन अर्बोरियम के फूलने के समय में 15 दिनों की अग्रता देखी गई है। प्लांट इकोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया कि बढ़ते तापमान और बदलते वर्षा पैटर्न के कारण कुछ रोडोडेंड्रॉन प्रजातियों में विकास दर और फूलों के उत्पादन में कमी आई है।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम प्रोत्साहन नीति-2017 के अन्तर्गत मण्डल स्तरीय स्वीकृति समिति की हुई बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर। मण्डलायुक्त डॉ ह्रषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम प्रोत्साहन नीति-2017 के अन्तर्गत मण्डल स्तरीय स्वीकृति समिति की बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में मण्डलायुक्त ह्रषिकेश भास्कर यशोद के समक्ष संयुक्त आयुक्त उद्योग श्रीमती अन्जू रानी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद सहारनपुर की संचालित औद्योगिक इकाईयों में मै0 मदन इण्डस्ट्रीज, औद्योगिक आस्थान, देवबन्द, सहारनपुर को 1,75,134 रूपये, मै0 शशी इण्डस्ट्रीज, देहरादून रोड, सहारनपुर तथा जनपद मुजफ्फरनगर की मै0 शैलजा आयरन एण्ड स्टील्स प्रा0लि0, अरिहन्त रोड, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर को 27,38,935 रूपये, मै0 सरल कैमटेक, जनसठ रोड, शेर नगर, मुजफ्फरनगर को 13,89,270 रूपये, मै0 क्लैक्सा केमिकल्स प्रा0लि0, जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर को 35,78,706 रूपये सहित कुल 85,76,172 रूपये की ब्याज उपादान व नेट एसजीएसटी आदि की प्रतिपूर्ति की वित्तीय सहायता को स्वीकृति प्रदान की गयी। एमएसएमई नीति-2017 के अन्तर्गत प्रदेश में नवीन पूंजी निवेश के माध्यम से रोजगार सृजन करते हुए अधिक से अधिक उत्पादन बढाने के उद्देश्य से इकाईयों को 05 वर्ष तक विविध मदों में जैसे- ब्याज उपादान, नेट एसजीएसटी, स्टाम्प ड्यूटी छूट आदि प्रोत्साहन नीति में प्राविधानित है। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, उपायुक्त उद्योग वीरेन्द्र कुमार कौशल, उपायुक्त उद्योग-मुजफ्फरनगर/शामली श्रीमती जैस्मिन, ज्वाइंट कमिश्नर-मुजफ्फरनगर सूर्यभान सिंह, ज्वाइंट कमिश्नर (जीएसटी)-सहारनपुर नवीन कुमार, अमित पाठक, एलडीएम प्रवीण कुमार जमुआर, एलडीएम-मुजफ्फरनगर सुरेन्द्र सिंह, सहायक आयुक्त उद्योग, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र, सहारनपुर, यूपीकॉन, लखनऊ से नामित प्रतिनिधि डा0 बनवारी लाल आदि उपस्थित रहे।

नगर पालिका ने सांपला रोड व मजनूवाला रोड से हटवाया अतिक्रमण

दो किलो प्रतिबंधित पॉलीथीन जब्त कर करीब तीन हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

देवबंद (सहारनपुर)। नगरपालिका परिषद देवबंद की टीम ने एसडीएम के आदेश पर देवबंद नगर के सांपला रोड और मजनूवाला रोड पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। इस दौरान दो किलो प्रतिबंधित पॉलीथीन जब्त कर करीब तीन हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। नगरपालिका के कर्मचारी पुलिस बल के साथ अतिक्रमण हटाने के लिए सबसे पहले सांपला रोड पर पहुंचे। जहां सड़क पर रेहड़ी आदि लगाकर अतिक्रमण करने वालों को सख्ती से साथ हटवाया गया। इसके बाद टीम मजनूवाला रोड पर पहुंची। यहां से भी टीम ने सड़क के दोनों तरफ पसरे अतिक्रमण को हटवाया। कई लोगों ने तो टीम को आता देख स्वयं ही सामान हटाने में जुट गए। अतिक्रमण प्रभारी विकास चौधरी ने बताया कि अभियान के दौरान दो किलो प्रतिबंधित पॉलीथीन जब्त की गई है। साथ ही तीन हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। कई लोगों को तो चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। अधिशासी अधिकारी डॉ. धीरेंद्र कुमार रॉय ने बताया कि अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिन स्थानों से अतिक्रमण हटाया गया यदि वहां पर दोबारा अतिक्रमण मिला तो संबंधित के खिलाफ जुर्माना वसूलने के साथ ही एफआईआर भी दर्ज कराई जाएगी। अभियान लगातार जारी रहेगा।

कटनी में गौहत्या, लैंड जिहाद और लव जिहाद के विरोध में बजरंग दल का उग्र प्रदर्शन

बढ़ते धर्मांतरण और गौहत्या के मामलों पर सख्त कार्रवाई की मांग

सुनील यादव । सिटी चीफ ।

कटनी, कटनी जिले में लगातार हो रहे गौहत्या एवं लैंड जिहाद और लव जिहाद के मामले को लेकर आज सैकडो बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट कार्यालय गेट पर ज़ोरदार नारेबाजी करते हुए पुलिस को धक्का देते हुए जबरन कलेक्टर कार्यालय परिसर घुस जोरदार नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। बजरंग दल के पदाधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा गौहत्या लैंड जिहाद और लव जिहाद के मामले में किसी भी तरह की कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। कुछ दिन पूर्व सिविल लाईन क्षेत्र में कोतवाली थाना अंतर्गत गायो को बम खिलाकर लगातार हत्या की गई जिसकी सूचना कोतवाली थाने को प्रदान की गई थी सूचना प्राप्त होने के बाद भी कोतवाली थाना प्रभारी एवं अन्य के द्वारा इस संबंध में कोई भी उचित कार्यवाही नहीं की गई। वही एम. एस. डब्ल्यू प्लाट में माधव नगर थाना अंतर्गत कचरे के ढेर के नीचे मृत गायो को दबा दिया गया जिस पर आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। कटनी जिले में हो रहे लेन्ड जिहाद का प्रकरण देखने में आ रहा है जगह जगह कबाडियो के द्वारा एवं असमाजिक तत्वों के द्वारा शासकीय भूमि पर कब्जा कर कबाड की दुकान चलाने के बहाने शासकीय भूमि पर कब्जा किया जा रहा है।कटनी जिले में बढ़ रहे लव जिहाद एवं धर्मान्तरण के मामलों को रोकने हेतु प्रशासन के द्वारा किसी प्रकार की संतोषजनक / कठोर कार्यवाही नहीं की जा रही है जिसके भय से लव जिहाद एवं धर्मान्तरण के मामलों में कमी आये अपितु कार्यवाही न होने की दशा में दिन पर दिन लव जिहाद एवं धर्मान्तरण के मामलों मे बढोत्तरी हो रही है, जिस कारण जनमानस परेशान है। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने कहा कि इन विषयो को ध्यान में रखते हुए तत्काल कार्यवाही कर इन विषयों पर रोक लगाये जाये यदि जल्द ही इन विषयो पर उचित कार्यवाही नही की जावेगी तो मजबूरन बजरंग दल उग्र आंदोलन करने पर बाध्य होगा। जिसकी समस्त जवाबदारी शासन प्रशासन की होंगी ।

संभल त्रासदी के बाद आज संवेदनशील सहारनपुर जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई जुमे की नमाज

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के संवेदनशील और 40 फीसद मुस्लिम आबादी वाले सहारनपुर जनपद में आज जुमे की नमाज कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांति और सौहार्दपूर्ण तरीके से अदा की गई। ऐहतियात के तौर पर जिले एवं नगर के मुस्लिम इलाकों को सेक्टर में विभाजित कर वहां सेक्टर मजिस्ट्रेट, पीएसी और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। सहारनपुर नगर में मुख्य बाजार में बड़ी जामा मस्जिद है और बड़ा इस्लामिक मदरसा मजाहिर उलूम स्थित है। जामा मस्जिद पर सिटी मजिस्ट्रेट गजेंद्र सिंह, सीओ सिटी अशोक सिसौदिया की मौजूदगी में भारी पुलिस बल तैनात था। जामा मस्जिद के प्रबंधक मौलवी फरीद ने नमाज अदा होने के बाद बताया कि नगर के शांतिप्रिय मुसलमान और हिंदुओं के बीच पूरी तरह सौहार्द्र एवं भाईचारा बना हुआ है जिसे किसी भी कीमत पर टूटने नहीं दिया जाएगा। मौलवी फरीद ने कहा कि जिलेभर में सभी मुस्लिम धर्मगुरूओं ने मुसलमान भाईयों से अपील की थी कि वे पुरसकून तरीके से नमाज अदा करें। एसपी देहात सागर जैन जिनके पास आज एसपी सिटी अभिमन्यु के अवकाश पर होने के कारण सहारनपुर शहर का भी कार्यभार है ने बताया कि संवेदनशील देवबंद नगर में दारूल उलूम की एशिया की सबसे बड़ी मस्जिद रशीदिया मस्जिद जामा मस्जिद देवबंद में हजारों मदरसा छात्रों और मुसलमानों ने शांतिपूर्वक नमाज अदा की। गंगोह, नकुड़, सरसावा, चिलकाना, छुटमलपुर, रामपुर मनिहारान एवं नानौता में मस्जिदों में नमाज शांतिपूर्वत तरीके से नमाज अदा की गई।

जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल के मुताबिक जनपद सहारनपुर में संभल की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। पहले दिन से ही यहां भाईचारा और शांति बनी हुई है। सहारनपुर जिले के तीनों सांसदों कांग्रेस के इमरान मसूद, कैराना की सपा सांसद इकरा हसन और इसी जिले के कस्बा छुटमलपुर निवासी नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने इस संभल त्रासदी पर गहरी चिंता जताई। जमीयत उल्माएं हिंद के अध्यक्ष, पूर्व सांसद मौलाना महमूद मदनी ने संभल त्रासदी में मारे गए लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रूपए की सहायता देने का आज ऐलान किया। मुस्लिम बहुल जिला होने के बावजूद खास बात यह है कि संभल की त्रासदी को लेकर यहां के जनप्रतिनिधियों ने अपनी बात जरूर रखी। लेकिन पूरे जिले में अमन और भाईचारा बना हुआ है।

68वी एस.जी.एफ.आई. राज्यस्तरीय सीनियर ताईक्कांडो प्रतियोगिता-2024 में रीवा संभाग ने उठाई ट्राफी

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सतना, देवास में आयोजित राज्यस्तरीय सीनियर ताइक्कांडो प्रतियोगिता में सतना के शिवांश, महक, आराध्या और अक्षत ने जीते पदक स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 25 से 28 नवंबर 68वी राज्यस्तरीय स्कूल शालेय सीनियर ताइक्कांडो प्रतियोगिता का आयोजन देवास में हुआ जिसमें रीवा संभाग से 12 सदस्यीय टीम ने हिस्सा लिया था। सतना के 07 खिलाड़ियों का चयन हुआ था। सभी खिलाड़ी सतना मार्शल आर्ट एकैडमी में जिला ताइक्कांडो सतना के मुख्य प्रशिक्षक डा.संदीप भारती से ट्रेनिंग ले रहे थे। इस प्रतियोगिता खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाते हुए 06 मैडल जीते और रीवा संभाग को थर्ड रनरअप ट्राफी दिला दी। मैडल जीतने वाले खिलाड़ियों में कृष्णा शास्त्री गोल्ड, सागर पाल ब्रॉन्ज रीवा से जबकि शिवांश शुक्ला सिल्वर, महक परवीन ब्रॉन्ज, आराध्या द्विवेदी ब्रॉन्ज, अक्षत पांडे ब्रॉन्ज तीनों खिलाड़ी सतना से थे। इसके अलावा अमन सिंह परिहार, दीपांश सिंह परिहार और अखंड सिंह क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे।68वी स्कूल शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता-2024 में सतना की टीम इस वर्ष कुल 12 मैडल जीते जिसमें 01 राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी गोल्ड मेडल था। सतना ताइक्कांडो इस वर्ष के स्कूल गेम में सर्वाधिक मैडल जीतने वाला खेल बना। रीवा संभाग से दल प्रबंधक श्री दीपक पांडे थे जबकि मेनेजर के रूप में जिला ताइक्कांडो संघ सतना से श्री पंकज शुक्ल थे। टीम के खिलाड़ियों द्वारा किए गए शानदार प्रदर्शन पर जिला खेल अधिकारी स्कूल शिक्षा विभाग श्रीमती मीना त्रिपाठी,श्रीमती किरण चतुर्वेदी, श्री संतोष पटेल, श्री धीरेन्द्र सिंह और साथ ही जिला ताईक्कांडो संघ के सभी पदाधिकारियों ने बधाई प्रेषित की!

झामुल में धूमधाम से मनाया गया 75वॉ संविधान दिवस

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

बालाघाट, बिरसा जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत झामुल में 75 वें संविधान दिवस का समोराह पूर्वक आयोजन 26 नवम्बर दिन मंगलवार को पंचायत परिसर में किया गया।इस अवसर पर मुख्य रूप से ग्राम सरपंच श्री गौतरिया मरावी व उपसरपंच प्रेम लाल साहू उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का शुभारंभ संविधान निर्माता डॉ.भीमराव आंबेडकर जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित व माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर ग्राम सरपंच श्री गौतरिया मरावी द्वारा संविधान दिवस के महत्व पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डालते हुए अवगत कराया गया। जहां पर पंचायत के पंच,मेट,भृत्य,पेसा मोबिलाइजर, हल्का पटवारी निकल धाकड़, ग्राम कोटवार शंकर मेश्राम व ग्राम वासियों कि प्रमुख उपस्थिति में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया साथ ही पेसा मोबिलाइजर के द्वारा शपथ दिलवाया गया है।

कार्यपरिषद का दुष्ठ पयोग तथा फर्जी गठन के मामले में कुलपति पर राष्ट्रीय जनजाति आयोग में प्रकरण पंजीबद्ध

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर। कुलपति प्रो श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी तथा कार्य परिषद के अन्य पांच सदस्यों के विष्ठ द्ध राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया गया है, इसकी शिकायत विश्वविलय के पूर्व छात्र तथा अखिल भारतीय विार्थी परिषद के विभाग संगठन मंत्री तथा मध्य क्षेत्र के स्वालंबन कार्य प्रमुख मोरध्वज पैकरा ने अनुसूचित जनजाति आयोग में किया था। प्रकरण पंजीबद्ध हो जाने के पश्चात राष्ट्रीय जनजाति आयोग कार्य परिषद के फर्जी गठन तथा कार्य परिषद की शक्ति के दुष्ठ पयोग के अपराध की जांच शुरू कर दिया है। उसके बावजूद भी कुलपति अपने साथ-साथ अन्य कार्य परिषद के अन्य सदस्यों को जेल भिजवाने में लगे हैं तथा कार्य परिषद की बैठक 2-3 दिसंबर 2024 को फिर से सुनिश्चित कर लिया है। कार्यकाल समाप्त होने के 48 घंटे पहले की जा रही फर्जी कार्यपरिषद् की बैठक करने पर कुलपति तथा कार्य परिषद् के सदस्यों को तत्काल गिरफतार करने हेतु भगवा पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश द्विवेदी ने पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक, मुख्यमंत्री तथा सीबीआई को ज्ञापन सौपा है।

कार्यपरिषद के फर्जीवाड़ा पर रोक न लगना एक प्रकार से राष्टपति भवन का अपमान

कमलेश द्विवेदी ने आगे बताया की इतने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, घोटाला की अनेक शिकायत पर राष्टपति भवन ने मुख्य सचिव मध्य प्रदेश सरकार से कार्यवाही अग्रेषित किया है इसके बावजूद कुलपति भ्रष्ट कृत्य करने, करोड़ों के अवैध भुगतान तथा अपने समस्त फर्जी कार्यों, सफेदपोश अपराध / भ्रष्टाचार को को कार्यपरिषद से पारित कराकर कागज पर सही करते जा रहे हैं और मंत्रालय के अधिकारियों का आम जनता, युवा के परेशानी को हल्के से लेने की कारण हजारों युवाओं /छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है जिससे मध्य प्रदेश के युवाओं में प्रशासन के प्रति उचित संकेत नहीं जा रहा हैं। मुख्य सचिव के जाँच के बिंदु में प्रमुख है की प्रो श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी ने विश्वविलय अधिनियम की धारा 24(2) के विपरीत जाकर एक भी जनजाति सदस्य नहीं होने के बावजूद कार्य परिषद की बैठक आयोजित कर रहे हैं, जबकि एक्ट के अनुसार कार्यपरिषद में पर्याप्त संख्या में जनजाति सदस्य होने चाहिए। इस कारण से एक्ट के अनुसार यह कार्य परिषद ही फर्जी और जनजातीय विरोधी है, महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि कार्य परिषद के गठन में स्टेटयूट के अनुसार सामाजिक संगठन के चार सदस्यों को कार्य परिषद में नामित किया जाता है, इस हेतु शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार से अनुमति तथा शिक्षा मंत्रालय से नामित कराए जाना चाहिए, लेकिन शिक्षा मंत्रालय को बिना जानकारी दिए प्रकाशमणि त्रिपाठी ने अपने रिश्तेदार, अपने परिचित को कार्य परिषद का सदस्य बनाए है, जिसमें एक भी जनजातीय सदस्य को नहीं रखा जो की फर्जीवाड़ा का स्पष्ट प्रमाण है। कानूनी दृष्टिकोण से बेहद गंभीर है क्योंकि प्रकाशमणि त्रिपाठी कार्यपरिषद की मिनिट्स पर सदस्यों का हस्ताक्षर नहीं करवाते हैं, कभी भी बैक डेट से कोई भी निर्णय कर लेते हैं, कुल सचिव और प्रकाशमणि त्रिपाठी दोनों मिलकर उस पर हस्ताक्षर करके फर्जी मिनिट्स बना लेते हैं, इसप्रकार से अनेक बार फर्जी एवं कूटरचित कार्य परिषद के मिनट से विश्वविलय का संचालन किया जा रहा है। जब कार्यपरिषद की फर्जी होने की जांच चल रही है तब कार्य परिषद की बैठक आयोजित करना अपने आप में बेहद गंभीर और कानूनी दृष्टिकोण से उचित नहीं है, अत: जांच होने तक इस कार्यपरिषद् की बैठक पर रोक लगाया जाये यदि कुलपति नहीं मानते है तो उन्हें और अन्य कार्य परिषद् के सदस्यों को गिरफ्तार किया जाये।

भगवा पार्टी ने मुख्य सचिव म. प्र. शासन तथा सचिव शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार से पूछा पाँच यक्ष प्रश्न भगवा पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश द्विवेदी ने ज्ञापन सौपकर अधिकारीयों से पाँच यक्ष प्रश्न पूछा है की क्या, कुलपति प्रो श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी का भ्रष्टाचार- घोटाला का ताकत, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार से ज्यादा प्रभावी एवं ताकतवर हो गया है?? अनेक शिकायत तथा राष्टपति भवन से शिकायत कार्रवाई हेतु अग्रेषित होने के बावजूद भी ना तो भ्रष्टाचार ष्ठ क रहा है ना हीं घोटाला पर कोई कंट्रोल हो रहा है ऐसा क्यों?? विश्व के सबसे सम्मानित, राष्ट्रर्षि, साधु स्वभाव परम तेजस्वी माननीय नरेंद्र मोदी यशस्वी प्रधानमंत्री भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधिकारी, क्या इसीप्रकार का %मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस% देंगे?? क्या 'सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास सबका प्रयास' का यही परिभाषा मंत्रालय के अधिकारी दे रहे है?? जनजातियों के साथ छल करके बनाए गए कार्य परिषद के फर्जी होने के स्पष्ट साक्ष्य के बावजूद कार्यपरिषद के दुष्ठ पयोग पर रोक क्यों नहीं लग पा रहा है? इन पाँच प्रश्नों के जवाब के लिए मंत्रालय में सूचना का अधिकार भी लगाया जायेगा।

अनुपम राजन, संजय कुमार, एस. के. बरनवाल तथा दीपक दास को ईमेल

कमलेश द्विवेदी ने आगे बताया की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में पारदर्शिता तथा भ्रष्टाचार मुक्त सरकारी तंत्र को उच्च प्राथमिकता दिया गया है इस विश्वविलय के कार्यपरिषद की संदिग्ध गतिविधि शून्य पारदर्शिता प्रकट करती है, कार्यपरिषद का एक भी एजेंडा तथा संबंधित मिनट्स विश्वविलय की वेबसाइट पर अपलोड नहीं है। सरकार की ओर से सम्मिलित दो अत्यंत जिम्मेदार अधिकारी (अनुपम राजन तथा संजय कुमार / एस. के. बरनवाल) पारदर्शिता की न्यूनतम मापदंड को सुनिश्चित करने हेतु ऐसा तर्क विश्वविलय को दे सकते है की जब तक पूर्व में आयोजीय कार्यपरिषद की बैठकों का एजेंडा तथा मिनिट्स विश्वविलय की वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया जाता है तब तक कार्यपरिषद की बैठक पर नहीं करने हेतु निर्देश विश्वविलय को भेज सकते है। कार्य परिषद की बैठक का एजेंडा 21 दिन पहले सदस्यों को भेजा जाता है, कार्य परिषद की पिछली बैठक 22 नवंबर 2024 को हुआ था, जल्दीबाजी में कार्य परिषद की अगली बैठक दिसंबर 2024 के प्रथम सप्ताह में तय किया गया है। कार्य परिषद में अनुपम राजन, संजय कुमार, एस. के. बरनवाल, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार भी इसके सदस्य हैं। मुख्य सचिव को चाहिए की अधिकारी द्वय को यह सूचित करें कि प्रकरण महामहिम राष्टपति के अग्रेषित शिकायत आवेदन जांच के अधीन है, जनजातियों के साथ फर्जीवाड़ा करके गैरकानुनी रूप से गठित की गई कार्यपरिषद की बैठक का आयोजन ना करें।

सतना से डॉ आर के नेमा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की प्रदेश कार्यकारणी में शामिल

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सतना के सेंट्रल काउंसिल मेंबर एवं वरिष्ठ एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ आर के नेमा को सर्वसम्मति से मध्य प्रदेश इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की कार्यकारिणी में प्रदेश से दिल्ली आई एम ए में अल्टरनेटिव मेंबर के रूप में मनोनीत किया गया है। डॉ नेमा की प्रदेश में इस उपलब्धि पर सतना जिले के सभी डॉक्टर्स के मध्य खुशी की लहर दौड़ गई एवं बधाईयां देने का तांता लग गया। बधाई देने में मुख्य रूप से आई एम ए सतना प्रेसिडेंट डॉ राकेश अग्रवाल,सचिव डॉ अलोक खन्ना,कोषाध्यक्ष डॉ ललित गुप्ता, डॉ जी पी सिंह, डॉ एस पी शर्मा, डॉ आर के पांडे, डॉ डी के तिवारी, डॉ वाय एस परिहार, डॉ ब्रिगेडियर देवेन्द्र सिंह,डॉ राकेश जैन, डीन डॉ शशिधर गर्ग,डॉ पी के श्रीवास्तव, डॉ वी के गौतम, डॉ वी के गांधी, डॉ संजय माहेश्वरी, डॉ रेखा माहेश्वरी,डॉ ललित गुप्ता, डॉ नरेंद्र शर्मा, डॉ सुनील कारखुर, डॉ अरविंद सर्राफ ,डॉ अष्ठ ण नायक, डॉ प्रवीण चौधरी,डॉ एम एस श्रीवास्तव, डॉ राजीव पाठक,डॉ एम एस तोमर, डॉ परांजपे, डॉ आर एस त्रिपाठी, डॉ प्रमोद पाठक, डॉ एस पी तिवारी, डॉ संतोष जैन, डॉ आर के गुप्ता, डॉ पी सी नोटवानी, डॉ महेंद्र सिंह, डॉ एच के बावा, डॉ सुधा खरे, डॉ पी डी अग्रवाल, डॉ एस पी शर्मा, डॉ के एल नामदेव,डॉ बी एल पटेल, डॉ आशीष जैन, डॉ रामचंद्र त्रिपाठी, डॉ अजीत सिंह, डॉ सुनील अग्निहोत्री,डॉ उषा सोई, डॉ आलोक जैन , डॉ सुधा जैन, डॉ ए के अग्रवाल, डॉ सुनील अग्रवाल, डॉ आशीष जैन, डॉ नवीन कालरा, डॉ सुदीप अग्रवाल, डॉ संकल्प जैन, डॉ समिष गुप्ता, डॉ आशुतोष नेमा, डॉ प्रीति नेमा डॉ शंकुल द्विवेदी, डॉ अशोक अवधिया, डॉ शुभम जैन, डॉ शेफाली जैन,डॉ एस के श्रीवास्तव,डॉ आर के तिवारी, डॉ विपिन दुबे, डॉ सुधांशु गर्ग, डॉ मनोज जगवानी, डॉ , डॉ माणिक गुप्ता, डॉ विजेता राजपूत, डॉ संगीता जैन, डॉ सारिका कालरा, डॉ संजीव प्रजापति, डॉ नीलेश्वर शर्मा, डॉ सुनील कारखुर, डॉ पवन वानखेड़े,डॉ चारूलता सोई, डॉ आनंद गुप्ता,डॉ देवेश अग्रवाल, डॉ आर सी अग्रवाल, डॉ सुनीता गुप्ता, डॉ पूजा गुप्ता, डॉ कार्तिकेय गुप्ता,डॉ प्रतिभा दुबे, डॉ एम ए ताजिर,डॉ डॉ अनुराग रिझावनी,डॉ लक्ष्मी मोहनानी,डॉ प्रभात सिंह, डॉ सी एम तिवारी, डॉ विजय तिवारी,डॉ सुभम जैन, डॉ रेखा त्रिपाठी, डॉ डी डी मिश्रा, डॉ निशांत कुंभारे सहित सभी डॉक्टर्स रहे।

सांस्कृतिक और प्राकृतिक संपदा से परिपूर्ण ग्राम उमरगोहान के होम स्टे का कलेक्टर ने लिया जायजा

ग्रामीणों से चौपाल लगाकर कलेक्टर ने उमरगोहान को मॉडल बनाने पर की चर्चा

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा विकासखण्ड पुष्पराजगढ़ के ग्राम उमरगोहान में बन रहे होम स्टे का कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली द्वारा निरीक्षण कर जायजा लिया गया। उन्होंने यहाँ अतिथि सत्कार, ग्राम विकास को देखा। इस अवसर पर कलेक्टर श्री पंचोली ने कहा कि उमरगोहान को पर्यटन ग्राम के रूप में विकसित करने विभागीय योजनाओं के माध्यम से लाभ देने के कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, जिला पुरातत्व, पर्यटन व संस्कृति परिषद की सहायक नोडल अधिकारी श्रीमती मंजूषा शर्मा, तहसीलदार पुष्पराजगढ़, अमरकंटक थाना प्रभारी, पर्यटन प्रबंधक अजय अग्रवाल, मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड की सहभागी संस्थाओं के प्रतिनिधि, सरपंच, सचिव, उमर गोहान पर्यटन समिति के सभी सदस्य, क्षेत्र के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। शुक्रवार दोपहर को पर्यटन ग्राम उमरगोहान पहुँचे कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने होम स्टे हितग्राहियों से बातचीत की और यहाँ पर्यटकों को दी जाने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। पर्यटकों के सत्कार, उन्हें दिए जाने वाले भोजन, गांव में पर्यटकों के मनोरंजन व उन्हें भ्रमण वाले स्थानों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उमर गोहान में पर्यटक किस तरह अधिक दिन बिता सकते हैं, इसके बारे में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने ग्राम में आने वाले पर्यटकों के लिए मिलेट्स उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने होम स्टे हितग्राहियों को योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने उमर गोहान के ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं से चौपाल पर बैठकर चर्चा की और उमर गोहान को स्वच्छ और मॉडल गांव बनाने के लिए सभी के विचार जाने। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम के युवाओं को उनकी क्षमता और रुचि अनुसार स्वरोजगार से जोड़ा जाए।

श्रीराम मंदिर की भूमि पर हुए निर्माण पर चला बुलडोजर

रहवासियों ने कहा कि प्रशासन ने की गलत कार्रवाई

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, श्रीराम मंदिर की दुपाड़ा रोड स्थित भूमि पर निर्मित दुकानों पर प्रशासन का बुलडोजर चला और चंद मिनटों में ही दुकानें मलबे के ढेर में तब्दील कर दी गईं। इस दौरान रहवासियों ने कार्रवाई को गलत बताते हुए विरोध किया। शुक्रवार सुबह दुपाड़ा पर श्रीराम मंदिर की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए एसडीएम मनीषा वास्कले, तहसीलदार मधु नायक पुलिस बल के साथ बुलडोजर लेकर पहुंचीं। यहां अधिकारियों ने दुकानों पर बुलडोजर चलाकर तोड़ दिया। इसके बाद रोड किनारे बने मकानों को तोडने् के लिए अमला आगे जिसका रहवासियों ने विरोध किया। इसके बाद कार्रवाई को रोकना पड़ा। रहवासियों का कहना था कि उन्होने करीब 20 वर्ष पूर्व उक्त भूमि को विधिवत ढंग से खरीद कर रजिस्ट्री और नामांतरण कराया था और निर्माण के लिए समस्त प्रकार की अनुमतियां भी ली गई थीं, लेकिन 20 साल बाद आज प्रशासन को याद आ रहा है कि उक्त भूमि श्रीराम मंदिर की है, जिसके बाद निर्माण को अवैध बताकर तोड़ा जा रहा है।

प्रशासन ने कहा मंदिर भूमि को करा रहे अतिक्रमण मुक्त
दुपाड़ा रोड पर प्रशासन ने कई दुकानों को तोडक़र मलबे में बदल दिया। प्रशासन का कहना था कि तोड़ा गया निर्माण श्रीराम मंदिर माफी औकाफ की भूमि पर था जिससे अतिक्रमण हटाया जा रहा है। एसडीएम ने बताया कि रहवासियों की रजिस्ट्री एवं नामांतरण सर्वे नंबर 95/2 पर किया गया था, लेकिन वह मंदिर की भूमि सर्वे नंबर 89 और 90 पर काबिज थे जिन्हे हटाया गया है। उन्होने बताया कि करीब 37 लोगों को नोटिस दिया जा चुका है जिनका अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। जबकि रहवासियों का कहना है कि प्रशासन को सर्वे नंबर 89 और 90 तो पता है, किंतु सर्वे नंबर 95/2 कहां है, यह अधिकारी नही बता पा रहे हैं।

प्रशासन पर लगाया पक्षपात का आरोप प्रशासन की बुलडोजर कार्रवाई को रहवासियों ने पक्षपातपूर्ण बताया। रहवासियों ने बताया कि उक्त भूमि पर कई लोगों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर बनाए हैं, जिनकी जांच के बाद ही प्रशासन ने योजना की राशि दी थी। ऐसे में अधिकारियों की कार्यशैली भी संदेहास्पद है। एसडीएम ने कहा कि मामले में जांच कराई जाएगी और यदि कोई अधिकारी-कर्मचारी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

01 से 10 दिसंबर तक आयोजित होगा स्वदेशी अभियान अंतर्गत स्वदेशी मेला

03 दिसंबर को स्वदेशी मेले में क्षेत्रीय युवाओं को मिलेगा बाहर से आई स्वदेशी कंपनियों में पंजीयन का अवसर

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, गुरुवार दोपहर 12.00 बजे स्थानीय विश्रामगृह में भाजपा नेत्री एवं जिला भाजपा महामंत्री मौसम बिसेन (हरिनखेड़े) ने स्वदेशी मेले के आयोजन को लेकर प्रेस कांफ्रेंस ली।आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा नेत्री मौसम हरिनखेड़े ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को आगे ले जाने के लिए अलग- अलग तरीके से नौजवानों को रोजगार स्वरोजगार से जोड़ने के साथ किसानों की माली हालत सुधारने,महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने,मजदूर मजबूत हो ऐसा हर तरीके से प्रयास कर रहे हैं। जिसका समन्वित उद्देश्य है कि भारत आत्मनिर्भर बने।इसी दिशा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन स्वदेशी जागरण मंच के निमित्त स्वावलंबी भारत अभियान अंतर्गत स्वदेशी मेला जिसकी थीम स्वावलंबन की ओर... भारत है का आयोजन 1 दिसंबर से 10 दिसंबर 2024 तक शासकीय उत्कृष्ट विलय मैदान बालाघाट में दोपहर 3:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक किया जा रहा है। स्वावलंबी भारत अभियान का मूल उद्देश्य है कि हम भारतवासी भारत में निर्मित उत्पादों का उपयोग करें तथा रोजमर्रा उपयोग आने वाली घरेलू चीजों में भी हम स्वदेश निर्मित वस्तुओं का ही प्रयोग करें।उन्होंने कहा कि बालाघाट जिले में पहली बार स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है जो कि स्वावलंबी भारत योजना का ही हिस्सा है इस मेले में स्वदेशी व्यापार होगा,हर दिन रोजगार स्वरोजगार पर आधारित विभिन्न आयोजन तथा इस पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे मौसम ने कहा कि मैं मीडिया के माध्यम से लालबर्रा क्षेत्रवासियों को विशेष रूप से बताना चाहूंगी कि 3 दिसंबर को स्वरोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विभिन्न स्वदेशी कंपनिया आएगी जिसमें दसवीं,12वीं,आईटीआई तथा ग्रेजुएट छात्रों को पंजीयन करने का अवसर भी दिया जाएगा। मौसम ने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि ज्यादा से ज्यादा स्वदेशी कंपनियों को बुलाया जाए ताकि क्षेत्र के शिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जुड़ने का अवसर मिल सके। मौसम ने जानकारी दी कि स्किल योजना के तहत, विश्वकर्मा योजना के तहत क्षेत्र के युवाओं ने अलग-अलग विधाओं में कौशल विकास में प्रशिक्षण पाया है तथा ऐसे नौजवान जो पंजीकृत है प्राप्त आंकड़ों के अनुसार लगभग ऐसे 2000 विार्थियों ने कौशल विकास की ट्रेनिंग ली है जिनका डेटाबेस तैयार कर उनको भी कंपनियों में नियुक्ति पत्र देने की तैयारी है। साथ ही स्वालंबन की ओर स्वरोजगार की दिशा में जो संभावना है बालाघाट क्षेत्र में है। इसको लेकर भी मेले में जानकारी मूलक स्टॉल होंगे साथ ही क्षेत्रीय महिलाओं एवं पुष्ठ षों द्वारा स्वयं निर्मित स्वदेशी वस्तुओं की भी स्टॉल लगाई जाएगी। मौसम हरिनखेड़े ने क्षेत्र के समस्त नौजवानों से आव्हान किया है कि 3 दिसंबर को सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक इस मेले में अवश्य पधारे ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी रोजगार स्वरोजगार से जुड़ सके वे तथा स्वावलंबन की दिशा में हमारा बालाघाट क्षेत्र आत्मनिर्भर बन सके। क्षेत्रीय युवा अपने पंजीयन हेतु संपर्क के लिए स्वदेशी कार्यालय में फोन कर सकते है। उन्होंने बताया कि 03 दिसंबर को संभावना है कि इस मेले में हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का आगमन भी हो सकता है। आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा नेत्री मौसम हरिनखेड़े के साथ जिला पंचायत सदस्य झामसिंह नागेश्वर,भाजपा मंडल अध्यक्ष योगेश लिल्हारे,मंडल भाजपा महामंत्री प्रसन्न अवधिया,भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष संजू अवधिया उपस्थित रहे।

कलेक्टर प्रातः काल पहुंचे कनौरा निकट से देखा प्राचीन सभ्यता और संस्कृति को

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ
दमोह, आज प्रातः ग्राम बरी कनौरा पहुंचकर स्कूल का निरीक्षण किया। शिव मंदिर जो ए.एस.आई. द्वारा प्रोटेक्टेड है, इसके अलावा वहाँ पर बड़ी संख्या में मंदिर और दूसरे स्ट्रक्चर्स देखे। ऐसा लगता है, जो जनश्रुति है, जो लोग बोलते है, उसके अनुसार वहाँ पर एक पूरी सभ्यता, हो सकता है, पहले कभी हज़ारों साल पहले रही होगी और वहाँ पर उसके बहुत सारे अवशेष देखने को मिलते है। चार अलग-अलग द्वार बहुत खूबसूरत से देखने को मिले, दो अलग-अलग मड़िया देखने को मिली, जिसमें वेजीटेबल कलर्स के द्वारा पैंटिंग है और आज भी वो पैंटिंग सुरक्षित है। यहाँ पर ऐतिहासिक पुरातत्व महत्त्व की सामग्री का खजाना है और इसके लिए आज फिर आगे कार्रवाई की जा रही है। पुरातत्व वालों को चिट्ठी लिखकर भेजी जायगी, ताकि अपनी टीम भेजकर यहाँ पर काम शुरू करायें। यह जिले के लिए एक बहुत बड़ी सौगात साबित हो सकती है। वहाँ से तीन पुरातत्व सामग्री जिसमें एक बड़ी मूर्ति और एक पदचिन्ह और एक और छोटी मूर्ति, इस तरह की तीन मूर्तियां लेकर के आये है, जो ऐसे ही लावारिस वहाँ पर पड़ी हुई थी। अब उसके बारे में पुरातत्व वेद्ताओं से उसकी जानकारी ली जा रही है कि वो कितनी पुरानी है और कैसी है, विश्वास है कि वो बहुत ही ऐतिहासिक महत्त्व की मूर्तियां हैं, उनको सुरक्षित ला करके आज संग्रहालय में रखवा दिया है। जिले में जो पुरातत्व की धरोहरें हैं, उनको संरक्षित और सुरक्षित करने का काम लगातार किया जायेगा। मुझे खुशी है की आज वहाँ पर कनोराकला में गांव वालों ने भी बहुत उत्साह के साथ 2-3 घंटे मेरे साथ रहे और सभी ने मुझे एक एक चीज़ दिखाई की कहाँ क्या है यहाँ पर, ग्रामीणों को बहुत अच्छा ज्ञान है वहाँ की चीजों का, तो इस आधार पर हमको काम करना चाहिए। भ्रमण के दौरान सुबह जिले के बटियागढ़ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कनौरा पहुंचे और प्राचीन शिव मंदिर में दर्शन करने के बाद ऊबड़-खाबड़ रास्ते, पगडंडी और खेतों से होते हुए प्राचीन कलाकृतियां, धरोहर, भग्नावशेष, कुएं, मढ़े और उनकी नक्काशी को निकट से देखा। कच्चे रास्तों पर ग्रामीणों के साथ बाइक पर बैठ कर अलग स्थानों पर पहुंचे, जहां कनौरा के ग्रामीणों ने सड़क एवं प्राथमिक विलय खुलवाने की बात रखी। ग्राम डोलपुरा के प्राथमिक शाला में ग्रामीणों द्वारा पेयजय की समस्या से अवगत किया गया, प्राथमिक शाला फुरताल में ग्रामीणों द्वारा शिक्षकों के देर से आने की शिक़ायत की जिस पर सार्थक एप से फुरताल के शिक्षकों की विगत छः माह की डिटेल उपलब्ध कराने हेतु फ़ोन पर ही एप प्रभारी को निर्देशित किया और डिटेल देखने के बाद कार्यवाही की बात की।

इतिहास की पुस्तक में दर्ज है कनौरा का गौरव रायबहादुर हीरालाल द्वारा लिखित दमोह दीपक के अध्ययन से जानकारी मिलती है कि यह एक प्राचीन स्थल और शाहगढ़ के राजा की एक गढ़िया रही है, जिससे यह अंदाज लगाया गया कि यहाँ पहले बड़ा गाँव रहा होगा। यहाँ पर एक ऐसा मढ़ा है जो बारहवीं शताब्दी का बना ज्ञात होता है। इस ग्राम में प्राचीन सुन्दर मूर्तियां हैं, यहाँ सती के चीरे भी हैं, कुछ अन्य चीरे भी गड़े हैं जिनमें कई युद्ध चित्र हैं, एक बड़ा तालाब भी है। तीन घंटे से ज्यादा समय कनौरा में रहे और पगडंडी, खेत और कठिन रास्ते से होते हुए अलग-अलग स्थानों पर पहुंचे, जहां विभिन्न प्रतिमाएं, प्राचीन काल के निर्माण, खंडहर, दो अन्य सुरक्षित मढ़े, जिनकी दीवारों पर सुंदर कलाकृति और रंगबिरंगे चित्र अंकित थे, उन्हें देखा। साथ ही कुछ मढ़ों की बची हुई दीवारें, निचले तल, द्वार, पुराने कुएं भी देखें जिनका सर्वे कर संरक्षित करने की बात कही, साथ ही यहां वहां बिखरी तीन प्राचीन प्रतिमाओं को दमोह के संग्रहालय में सुरक्षित रखवाया। वन भूमि पर कब्जे की बात भी ग्रामीणों के माध्यम से सामने आई, भ्रमण के दौरान बटियागढ़ तहसीलदार के कनौरा पहुंचने पर आवश्यक निर्देश दिए। ग्रामीणों ने बताया कि प्रदेश के अन्य जिलों से आए प्रवासी लोगों द्वारा बड़े स्तर पर कनोरा कलां (सादपुर) एवं आसपास की वन्य भूमि पर कब्ज़ा है जो कृषि भूमि में परिवर्तित हो रहे है।

तेज रफ्तार कार आ गई रॉन्ग साइड बाइक सवार अनियंत्रित होकर नाली में जा घुसे

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, एक तेज रफ़्तार कार चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवारों को ठोकर मार दी ,जिससे वह नाली में जा गिरे। बाइक सवार दोनों व्यक्तियों को चोट आई है। यह घटना थाना धनपुरी से महज पांच सौ मीटर दूरी पर धनपुरी -बुढार मुख्य मार्ग पर हुई। सड़क में गलत साइड से आ रहे कार चालक की ठोकर से दो अलग अलग बाइक सवार हादसे का शिकार हो गये। जानकारी के अनुसार सफ़ेद रंग की कार धनपुरी से बुढार की ओर आ रही थी ,जबकि मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 65एमए 7634 में सवार दो व्यक्ति बुढार से धनपुरी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान नरगड़ा बैरियर के आगे कार अनियंत्रित होकर गलत साइड आ गयी ,और तभी सामने से आ रहे दो बाइक सवारों को कार से ठोकर लग गयी। इनमे से एक बाइक में सवार दोनों व्यक्ति गाड़ी से गिरते ही नाली में जा गिरे। वहीँ पीछे आ रही एक अन्य बाइक सवार को भी हलकी चोट आई है।नाली में गिरे दोनों व्यक्तियों को लोगो ने बाहर निकाला। घटना की जानकारी लगने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुँच गयी। जिसके बाद कार चालक को थाने ले जाया गया ।प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार धनपुरी से बुढार की और आ रही कार के चालक से अचानक गाड़ी बहकी और गलत साइड आ गयी। तभी सामने से आ रहे दो बाइक सवारों को गाडी से जोरदार ठोकर लगी। जिससे वह बगल में मौजूद नाली में जा गिरे। बाइक सवार घायल अनूपपुर के रहने वाले बताए जा रहें है।बहरहाल पुलिस द्वारा मामले में पूछताछ की जा रही है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए वहाँ वाहनों की दोनों ओर भीड़ लग गयी। हलाकि लोगों ने समझदारी का परिचय देते हुए वहाँ से गुजरने वाले अन्य वाहनों को निकलने का रास्ता दे दिया ताकि सड़क में जाम की स्थिति निर्मित न होने पाए।

ऐसे में आखिर कैसे सोशल मीडिया निभाए अहम भूमिका

चहेतो को बतलाया 6 से 8 हजार सब्सक्राइबर वाला इन्फ्लूएंसर

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ

शहडोल, आज सोशल मीडिया के साथ नागरिको को प्रभावित करने वालो के रूप में जाने जाने वाले लोगों का उदय देखा है। ये वे लोग हैं जो ज़रूरी नहीं कि कभी टेलीविज़न पर आए हों या ह्स्ष्ठ एरिना के अंदर का नज़ारा देखा हो। वे भावुक व्यक्ति हैं जो अपने अनुभवों और विचारों को विकसित करते हैं और सभी को देखने के लिए सोशल वेब पर साझा करते हैं। अपने प्रभाव की श्रेणियों में, वे पारंपरिक मशहूर हस्तियों की तुलना में काफी अधिक प्रभाव रखते हैं। दरअसल इन व्यक्तियों के पोस्ट से उन्हें ऐसे लोगों का अनुसरण करने का मौका मिलता है जो उन पर पूरी तरह से भरोसा करना शुरू कर देते हैं। इससे पहले कि आप यह जान पाएं, कोई व्यक्ति जो औसत व्यक्ति के रूप में शुरू हुआ था, उसके अनुसरणकर्ताओं ने सिर्फ़ एक ब्लॉग पोस्ट के ज़रिए वेबसाइट के ट्रैफ़िक को 400न तक बढ़ा दिया, जैसा कि बहुचर्चित रॉबर्ट स्कोबल के मामले में हुआ था। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ऑनलाइन वे लोग, ब्रांड और व्यक्तित्व हैं जिन पर लोग भरोसा करते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो चर्चा को बढ़ावा देते हैं और कार्रवाई को प्रेरित करते हैं। चाहे कोई भी श्रेणी हो, हम उन इन्फ्लुएंसर को पा सकते हैं जो हमारे दर्शकों के लिए मायने रखते हैं और हम अपने संदेशों को फैलाने के लिए उनके साथ महत्वपूर्ण और सहजीवी संबंध विकसित करते हैं। सरकार भी अब इन सभी बिन्दुओ पर काफी रिसर्च करा चुकी है जिसके मद्देनजर शहडोल जनसम्पर्क उपसंचालक को दी गई जिम्मेदारी में जिले से उन इन्फ्लुएंसर को एकत्रित करते हुए एक सोशल मीडिया कि कार्यशाला का आयोजन करने कि जिम्मेदारी मिली थी, लेकिन जनसम्पर्क कार्यालय के आधिकारिक व्हाट्सअप ग्ष्ठप पर भेजा गया सन्देश में कार्यालय के जिम्मेदारों ने एक श्रेणी तय की थी, मद्देनजर

न्यूनतम 8000 फॉलोवर एवं सब्सक्राइबर प्रत्येक इन्फ्लुएंसर के होने चाहिए हालांकि मामले में सरकारी योजनाओ का चौतरफा प्रचार प्रसार और जनजागरूकता के लिए यह सबसे अच्छा सरकार का निर्णय है, लेकिन इस योजना के लिए शहडोल जनसम्पर्क विभाग द्वारा किया गया तामझाम कागजी साबित हुआ, दरअसल शहडोल जनसम्पर्क अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक बांधवगढ़ के सन रिसोर्ट में हुए इस आयोजन में कुल 15 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को लेकर सोशल मीडिया एवं न्यू एज मीडिया विषय पर संभाग स्तरीय कार्यशाला की पटकथा लिखी गई, लेकिन शहडोल संभागीय मुख्यालय से के तीनो जिले से जनसम्पर्क अधिकारियो को कुल 15 इन्फ्लुएंसर मिले इस आंकड़े के मुताबिक हर जिले से केवल पांच इन्फ्लुएंसर ही जनसम्पर्क अधिकारी ढूँढ पाए। या यह कहा जाए की जनसम्पर्क कार्यालय ने सरकारी आदेश महज दिखावा को लेकर फोटो वीडियो वाले रिकॉर्ड और कागजी कोरम पूर्ति के लिहाज़ से सम्पन्न करा लिया, जबकि शासन की मंशा जन जन तक और हर हांथो में सरकार की योजनाओ का प्रचार प्रसार हो इस उद्देश्य पर तीनो जिले जनसम्पर्क अधिकारियो ने मानो पानी फेर दिया। काश देश और प्रदेश सरकार के इस अभिनव प्रयास को लेकर विधिवत तैयारियां की जाती तो शहडोल आदिवासी अंचल जरूर है लेकिन यहाँ सोशल मीडिया पर बतौर डिजिटल क्रियेटर, इन्फ्लुएंसर सैकड़ो लोग है, शहडोलिया, अपना बुढ़ार, सांझी रसोई जैसे सोशल मीडिया ग्ष्ठप में 10 से 1 लाख तक फालोवर है, वही बतौर उदाहरण एक नाम लिया जाये तो पत्रकार डॉक्टर पंकज शर्मा के लगभग 10 हजार फॉलोवर है उनकी कार्यक्रम में उपस्थिति क्यों नहीं दर्ज हो सकी, इस आयोजन का फायदा तो तब होता जब, शहडोल संभाग से लगभग सौ से भी अधिक इन्फ्लुएंसर जो जन जागरूकता और समाचारो के माध्यम से जनता को प्रतिदिन रूबरू करा रहे है उनको इस कार्यक्रम में तवज्जो दी जाती तो संभवत: इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य पूरा हो सकता था, बहरहाल जंगल घूमने का समय चुन कर रखा हुआ था, और हमने कहावत को जंगल में मोर नाचा किसने देखा। इस हुए आयोजन के अवसर पर सहायक संचालक जनसंपर्क उमरिया गजेन्द्र द्विवेदी, जिला सहायक जनसंपर्क अधिकारी शहडोल अरूणेंद्र सिंह, जिला सहायक जनसंपर्क अधिकारी अनूपपुर सुश्री कुसुम मरकाम, शहडोल संभाग के सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर उपस्थित थे।

ग्रामीण क्षेत्रों का होगा समग्र विकास-मंत्री

ग्राम इचीवाड़ा में 1192.83 लाख रुपये लागत से निर्मित होने वाली सडक़ का हुआ भूमिपूजन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर। ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास होगा, इसके लिए गांवों को सडक़ मार्ग से जोड़ा जा रहा है। शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान में 10 सडक़ें स्वीकृत हैं और 12 सडक़ों की स्वीकृति प्रक्रिया में है। इस प्रकार इस वर्ष क्षेत्र में कुल 22 सडक़ों का निर्माण होगा। यह बात प्रदेश के उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इन्दरसिंह परमार ने शुक्रवार को शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम इचीवाड़ा में 1192.83 लाख रुपये लागत से निर्मित होने वाली खामखेड़ा, बेदारनगर, इचीवाड़ा, केवड़ाखेड़ी कुल 9.75 किलोमीटर के भूमिपूजन कार्यक्रम में कही। मंत्री परमार ने कहा कि खामखेड़ा से केवड़ाखेड़ी सडक़ निर्माण से ग्रामीणों एवं विार्थियों को आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। उन्होने कहा कि ग्रामों को कीचड़ से मुक्त करने के लिए गांव-गांव सीसी रोड एवं नालियां बनवाई गई हैं। वहीं ग्रामों के समग्र विकास के लिए भी चरणबद्ध विकास कार्य कराए जा रहे हैं। मंत्री परमार ने कहा कि सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए प्रत्येक ग्राम में एक शेड का निर्माण कराया जाएगा। शतप्रतिशत

गांवों में 2026 तक स्वच्छ जल प्रदाय करने की दिशा में तेजी से कार्य चल रहा है। मंत्री परमार ने इचीवाड़ा के मंदिर परिसर में शेड निर्माण के लिए 10 लाख ष्ठ पये देने की घोषणा भी की। शुजालपुर क्षेत्र में जल संरक्षण के लिए भी अनेक कार्य किए जा रहे हैं। मंत्री परमार ने कहा कि सडक़ों पर बनने वाली पुलियाओं को विकसित कर इसे पानी रोकने के उपयोग में भी लेने का कार्य करेंगे। ग्रामों में क्या-क्या आवश्यकता है इसका आंकलन कराया जा रहा है। पुराने शासकीय भवनों में आंगनवाड़ी केन्द्रों का संचालन कराएंगे। वहीं नई आंगनवाड़ी केन्द्र के लिए भवन भी बनाए जाएंगे। साथ ही मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों का भी उन्नयन किया जा रहा है। मंत्री परमार ने कहा कि शुजालपुर शिक्षा का हब बनने जा रहा है। प्रदेश में 11 आयुर्वेदिक महाविालय प्रारंभ किए जाएंगे जिनमें से 5 आयुर्वेदिक महाविालय इस वर्ष एवं 06 अगले वर्ष शुरू होंगे। शुजालपुर में एक आयुर्वेदिक शिक्षा महाविालय शुरू होगा। इसी तरह शुजालपुर में महाविालयीन शिक्षा के लिए सर्वसुविधायुक्त भवन तैयार किया गया है। गुलाना में सीएम राईज विालय का संचालन शुरू हो गया है। अकोदिया एवं शुजालपुर में सीएम राईज विालय के भवन निर्माणाधीन है। शाजापुर के पॉलिटेक्निक महाविालय में नए विषय शुरू करने जा रहे हैं। राजीव गांधी प्रौगिकी विश्वविालय की एक ब्रांच शुजालपुर में भी शुरू होगी। प्रदेश के सभी जिलों में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस प्रारंभ किए जा रहे हैं। इन महाविालयों में विार्थियों को लाने-ले जाने के लिए बसों का भी प्रावधान किया गया है। प्रदेश में पूर्व से दी जा रही शिक्षा पद्धति में बदलाव करते हुए गुणवत्ता में सुधार के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू की गई है। उन्होने कहा कि आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार हमारी प्राचीन परंपरा है। पूर्वजों के अनुसंधान से ही आयुर्वेदिक पद्धति विकसित हुई है। हम भारत की परंपरागत इस विधा को और आगे बढ़ाएंगे। प्रकृति हमें जीवन के सभी तत्व उपलब्ध कराती है, इसके लिए हम प्रकृति की पूजा करते हैं। इस मौके पर उन्होने कहा कि सूर्य की ऊर्जा का उपयोग कर आने वाले समय में हम ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए हम सभी प्रतिबद्ध हैं। इसके पूर्व मंत्री परमार ने सडक़ निर्माण के लिए भूमि पूजन कर शिलालेख का अनावरण किया।

एक दाँत वाले हांथी की हुई मौत, जाँच में जुटा अमला

रमपुरवा में हाथियों का मूवमेंट, ग्रामीण भयभीत

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ

शहडोल, जंगली जानवरों की सुरक्षा करने में वन विभाग नाकाम साबित हो रहा है। करंट लगने से फिर एक एलीफेंट की मौत का मामला सामने आया है, यह घटना शहडोल जिले से सटे सतना बॉर्डर की है। गौरतलब है कि बांधवगढ़ में बीते कुछ दिनों पहले 10 हाथियों की कोदो खाने से मौत हो गई थी, अब एक हाथी की करंट लगने से मौत बताई जा रही है, हालांकि जांच के बाद ही कुछ स्पष्ट हो सकेगा।

करेंट लगने से हुई मौत...

शहडोल जिले के सीमा से महज 3 किलोमीटर दूर स्थित सतना जिले के ग्राम कुंवारी कुआं गांव में एक दांत वाले हाथी की करंट लगने से मौत ने वन विभाग में हड़कंप मचा कर रख दिया है। जानकारी लगने के बाद शहडोल एवं सतना जिले के वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच मामले की पड़ताल कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक हाथी की करंट लगने से मौत हुई है ऐसी बात सामने आई है, लेकिन वन विभाग के अधिकारियों ने अभी कुछ भी

कहने से मना कर दिया है। बीते दिनों बांधवगढ़ में 10 जंगली हाथियों की कोदो खाने से मौत का मामला अभी ठंडा नहीं हुआ फिर अब एक हाथी की संदिग्ध मौत का मामला सामने आ गया है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार घटना स्थल पर डॉक्टर की टीम एवं अधिकारी मौके पर पहुंच पड़ताल कर रहे हैं जांच के बाद ही कुछ स्पष्ट हो सकेगा।

अधिकारियों ने दिया आश्वासन...

शहडोल जिले के ब्यौहारी वन परिक्षेत्र में 20 जंगली हाथियों का झुंड कई दिनों से विचरण कर रहा है, जिससे परेशान ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन भी किया था, लोगो की मांग थी कि इन जंगली हाथियों का रेस्क्यू कर इन्हें सुरक्षित जंगल की ओर खदेड़ा दिया जाए, लेकिन वन विभाग ने अब तक ऐसा कोई ऑपरेशन नहीं किया है। हालांकि अधिकारियों की समझाइस के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया है। ग्रामीणों को वन विभाग के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द रेस्क्यू किया जायेगा। और बफर जोन में तार की फिनिशिंग करवाई जाएगी।

इनका कहना है।

ब्यौहारी के रामपुरवा गांव में शुक्रवार की सुबह जंगली हाथियों को देख लोगो ने इसकी जानकारी वन विभाग के अधिकारियों को दी है, लगातार हाथियों का मूवमेंट इस क्षेत्र में बना हुआ है हमारी टीम में लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।
रेशम सिंह धुर्वे, एसडीओ वन परिक्षेत्र, ब्यौहारी

शाहपुर मे तेज आवाज वाली बुलेट बाइक पर कार्रवाई

बुरहानपुर - बुरहानपुर जिले के शाहपुर थाना पुलिस ने गुरुवार रात मोटर व्हीकल एक्ट के तहत एक युवक को तेज आवाज वाली बुलेट बाइक दौड़ाते हुए पकड़ा युवक की बाइक मे 110 डेसीबल का साइलेंसर था जिससे आसपास की इलाके मे तेज शोर हो रहा था पुलिस ने युवक से बाइक का साइलेंसर निकलवाया और 3500 से रूपए का चालान भी करवाया जानकारी के अनुसार बुलेट पर ना तो नंबर प्लेट थी नही युवक के पास ड्राइविंग लाइसेंस था पूछताछ मे युवक ने बताया कि वह मजदूरी करता है और उसने बुलेट इंदौर के व्यक्ति से खरीदी थी पुलिस को संदेह है कि बाइक चोरी की हो सकती है इसीलिए उन्होंने इंदौर के व्यक्ति से संपर्क करने की कोशिश शुरू कर दी है ताकि यह पता चल सके कि उसने बुलेट कैसे बेची थी और क्या वह व्यक्ति भी बिना लाइसेंस के बाइक चला रहा था थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा ने बताया कि युवक के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है साथ ही साइलेंसर भी जब तक कर लिया है

करेली मे आसमाजिक तत्वो सट्टा-जुआ अवैध शराब माफियाओं व अतिक्रमणधारियो के जलवे...

खाकी से नही डर रहे करेली शहर मे अपराधियों - सट्टा- जुआ, अवैध शासकीय भूमि अतिक्रमणधारी हुए पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन पर हावी...?

करेली पुलिस प्रशासन की व जिला प्रशासन व नगरपालिका प्रशासन व भाजपा नेताओं की मौन स्वीकृति से हो रहे सभी अपराध..।

करेली बस्ती के सभी चारो वार्ड वासियों ने सभी धर्मों समाज के सभी वर्गों ने पुलिस प्रशासन, तहसीलदार, व नगरपालिका पालिका अध्यक्ष को लिखित ज्ञापन सौपा और कारवाही न होने पर दी उग्र आंदोलन की खुली चेतावनी...। करेली शहर मे व बस्ती मे अनेको क्षेत्रों मे बरमान रोड स्थित ढाबो पर हो या रेलवे फाटक हो या सोमवारा बाजार व करेली बस्ती तहसील के सामने और गाडरवाडा रोड पर सट्टा जुआ माफियाओं का खुलेआम सट्टे का संचालन हो या करेली बस्ती चौराहे पर स्मैक, गांजा विक्रय और खुले मे रोड किनारे शासकीय भूमि पर मांस मंदिरा का विक्रय व आसमाजिक तत्वो द्वारा करेली बस्ती की तहसील कार्यालय के सामने से लेकर आमंगाव रोड से चलकर गाडरवाडा रोड तक सम्पूर्ण शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है जिसे राजस्व विभाग व करेली नगरपालिका तत्काल प्रभाव से अवैध अतिक्रमण से सम्पूर्ण बस्ती चौराहे को मुक्त करे और तो और करेली बस्ती व करेली शहर की चिंहित जगह जैसे बरमान रोड के ढाबो,रेलवे गेट के बाजू मे सोमवारा बाजार, फाटक के पास नरसिंह वार्ड बिज् के नीचे, और करेली बस्ती कठल पेट्रोल पम्प , तहसील कार्यालय के सामने गाडरवाडा रोड पर चल रहे जबरदस्त सट्टा बाजार को बन्द कराये और सभी शासकीय भूमि पर खुले मे रहवासी जगहो से मास बाजार बन्द सम्पूर्ण करेली बस्ती मेन रोड तहसील के सामने आमंगाव बस्ती गाडरवाडा चौराहे व गाडरवाडा रोड के आजू बाजू दोनो तरफ शासकीय भूमि व अवैध अतिक्रमणो को तहसीदार करेली राजस्व विभाग व करेली नगर पालिका पुलिस प्रशासन सयुक्त कारवाही कर अवैध आतिकमण को शीध्र हटवाये यदि ये सभी मागो पर जल्द से जल्द कारवाही नही हुई तो समस्त समाज व हम सभी शहर वासी एक उग्र आंदोलन कर पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन तहसील कार्यालय के समकक्ष करने एक बडी रुपरेखा बनाने तो तैयार रहेगे ऐसी चेतावनी भी दी...

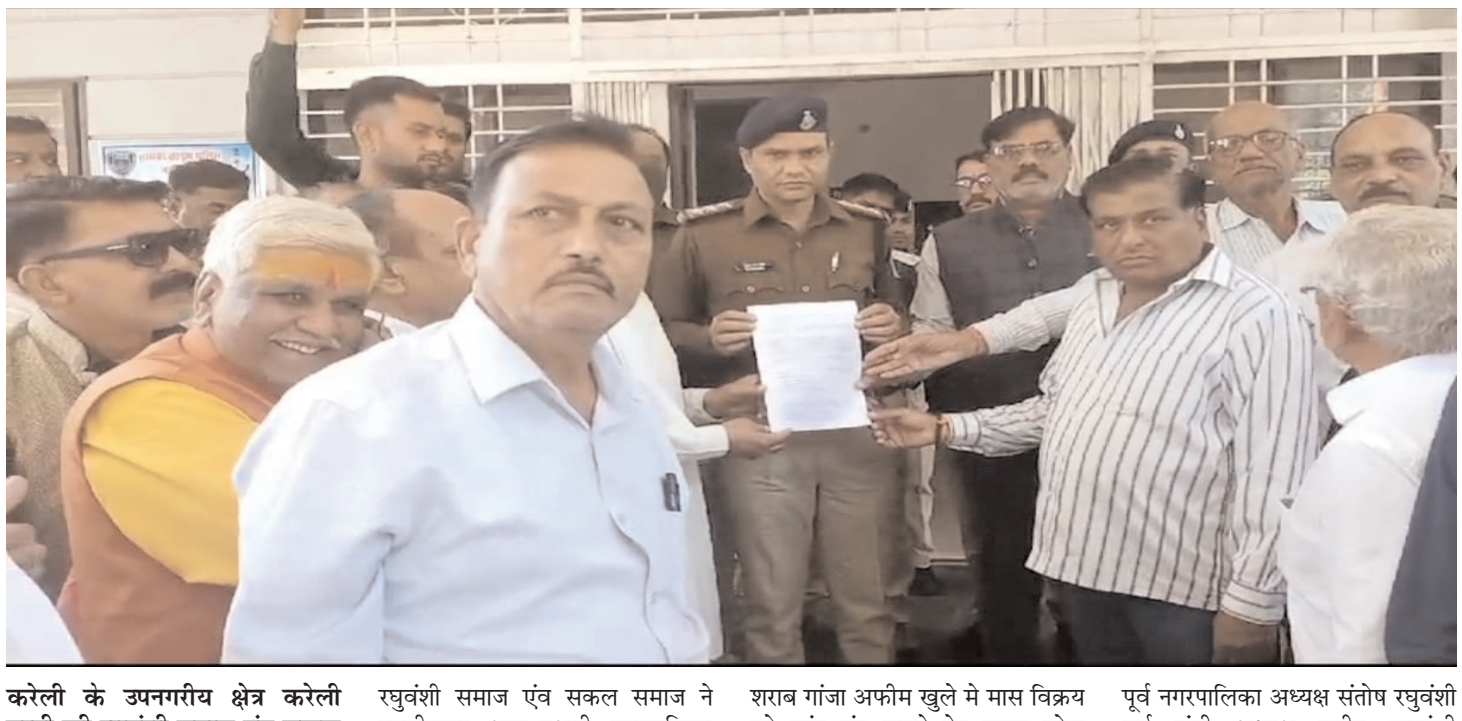

करेली के उपनगरीय क्षेत्र करेली बस्ती की रघुवंशी समाज एंव सकल समाज ने अबैध कारोबार को बंद करने ज्ञापन सोपा करेली बस्ती के रघुवंशी समाज एंव सकल समाज ने तहसीलदार ,थाना प्रभारी, नगरपालिका अध्यक्ष को करेली बस्ती मे हो रहे अबैध अनैतिक कार्य जैसे सट्टा जुआ शराब गांजा अफीम खुले मे मास विक्रय को तुरंत बंद कराने हेतु ज्ञापन सोपा ज्ञापन देते समय राघवेन्द्र रघुवंशी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष, राजेन्द्र रघुवंशी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष संतोष रघुवंशी पूर्व मंडी अध्यक्ष प्रदीप रघुवंशी ,हरिओम रघुवंशी एंव समस्त रघुवंशी समाज उपस्थित रहे

नई साझेदारी ने बढ़ाई दुनिया की टेंशन

यूक्रेन युद्ध में उत्तर कोरिया ने रूस का साथ देने की खाई कसम

इंटरनेशनल डेस्क: उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने रूस के रक्षा प्रमुख आंद्रेई बेलौसोव के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में यूक्रेन युद्ध में रूस को हमेशा समर्थन देने की प्रतिबद्धता जताई है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी *कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (चाष्ट्र)* ने शनिवार को इस बैठक का विवरण साझा किया। रूसी सैन्य प्रतिनिधिमंडल, जिसका नेतृत्व रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव कर रहे थे, शुक्रवार को उत्तर कोरिया पहुंचा। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ रही है।बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर तेजी से बदलते माहौल के संदर्भ में अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। उत्तर कोरिया, साम्राज्यवादी शक्तियों द्वारा अधिपत्य स्थापित करने के प्रयासों के खिलाफ रूस की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने वाली नीति का पूरी तरह समर्थन करता है।उन्होंने यह भी कहा कि रूस और उत्तर कोरिया अपनी संप्रभुता, सुरक्षा हितों और अंतरराष्ट्रीय न्याय की रक्षा के लिए एकजुट होकर काम करेंगे। उत्तर कोरिया ने हाल ही में रूस को हजारों सैन्य बल भेजे हैं, जिससे दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग पर सवाल उठ रहे हैं। रूस और उत्तर कोरिया के बढ़ते रिश्ते यूक्रेन युद्ध और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के लिए एक नया चुनौतीपूर्ण मोड़ हैं। उत्तर कोरिया ने पहले से ही यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का समर्थन किया है। इस बैठक में किम ने रूस के कदमों का पूर्ण समर्थन जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। किम और बेलौसोव की इस बैठक ने वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। पश्चिमी देशों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र ने भी इस सहयोग पर कड़ी नजर रखी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह साझेदारी भू-राजनीतिक तनाव को और बढ़ा सकती है।

विभिन्न मुद्दों पर हुआ हंगामा और सियासी नोकझोंक

बिहार विधानमंडल का 5 दिवसीय शीतकालीन सत्र समाप्त

पटना. बिहार विधानमंडल का पांच दिवसीय शीतकालीन सत्र शुक्रवार को संपन्न हो गया और इसी के साथ दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गई। बिहार विधानमंडल के इस सत्र में विपक्षी सदस्यों द्वारा स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर लगाने की प्रक्रिया को वापस लेने की मांग और केंद्र के विवादास्पद वक्फ संशोधन विधेयक से संबंधित मुद्दे सहित विभिन्न मुद्दों पर लगातार विरोध और स्थगन देखा गया।

बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने सदन की कार्यवाई अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के पूर्व बताया कि शीतकालीन सत्र के दौरान प्राप्त कुल 964 प्रश्नों में से 809 प्रश्न विधानसभा सचिवालय द्वारा स्वीकार किए गए। उन्होंने बताया कि 103 ध्यानाकर्षण सूचनाओं और प्रश्नों के माध्यम से जन कल्याण से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए। 25 नवंबर से अब तक कुल पांच बैठकें हुईं। बिहार विधान मंडल के संक्षिप्त सत्र के दौरान दोनों सदनों ने महत्वपूर्ण विधेयकों को मंजूरी दी, जिनमें बिहार माल और सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक 2024, बेतिया राज संपत्ति विधेयक, 2024, बिहार सरकारी परिसर (आवंटन, किराया, वसूली और बेदखली) (संशोधन) विधेयक-2024 और बिहार खेल विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक-2024 शामिल हैं। विधानमंडल ने इस सत्र के दौरान चालू वित्त वर्ष के लिए 32,506 करोड़ रुपए का राज्य का दूसरा अनुपूरक बजट भी पारित किया। इसके अलावा, सत्र के दौरान सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन पर 2016-22 की अवधि के लिए कैग की रिपोर्ट भी विधानमंडल में पेश की गई। बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने सदन की कार्यवाई अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के पूर्व बताया कि परिषद में कुल 331 प्रश्न प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 300 को मंजूरी दी गई। जन कल्याण से संबंधित अन्य मुद्दे 30 ध्यानाकर्षण सूचनाओं और प्रश्नों के माध्यम से उठाए गए।

अब इंसानों की धुलाई करेगी वाशिंग मशीन !

चंद मिनटों होगी दिमाग और शरीर की सफाई

कपड़े धोने वाली वाशिंग मशीन का नाम सुनते ही दिमाग में घरेलू कामकाज की तस्वीर उभरती है, लेकिन अब जापान ने तकनीक के क्षेत्र में ऐसा कदम उठाया है, जो चौंका देने वाला है। एक जापानी कंपनी ने ह्यूमन वाशिंग मशीन विकसित की है, जो इंसानों को सिर्फ 15 मिनट में साफ और सूखा सकती है। जापानी ह्यूमन वाशिंग मशीन न केवल तकनीकी नवाचार का उदाहरण है, बल्कि यह दिखाती है कि कैसे विज्ञान और तकनीक हमारी जीवनशैली को बदल सकते हैं। यह मशीन आने वाले समय में साफ-सफाई और स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांति ला सकती है। जापानी मीडिया असाही शिंबुन के मुताबिक, यह अनोखी मशीन किसी जेट फाइटर के कॉकपिट की तरह दिखती है। इसे खासतौर पर इंसानों को धोने और सुखाने के लिए डिजाइन किया गया है। मशीन में छोटे-छोटे

बुलबुले बनते हैं, जो बेहतर सफाई में मदद करते हैं। यह तकनीक न केवल हाइजीन के लिए क्रांतिकारी है, बल्कि इसमें कई स्वास्थ्य लाभ भी जुड़े हुए हैं। ह्यूमन वाशिंग मशीन में खास सेंसर लगाए गए हैं, जो व्यक्ति की पीठ को स्कैन करके तनाव और थकान का पता लगा सकते हैं। इससे न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी राहत मिलती है। मशीन का उद्देश्य साफ-सफाई के साथ-साथ उपयोगकर्ता को आराम और तरोताजा महसूस कराना है। यह मशीन एक पॉड की तरह दिखती है, और इसे विकसित करने वाली कंपनी बाथरूम से संबंधित उत्पादों के लिए जानी जाती है। कंपनी ने इस मशीन को जल्द ही बाजार में लॉन्च करने की योजना बनाई है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ आतंक जारी, चट्टोग्राम में तीन मंदिरों में तोड़फोड़

ढाका: बांग्लादेश के चट्टोग्राम में शुक्रवार को नारेबाजी कर रही भीड़ ने तीन हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की। इस्कॉन के एक पूर्व सदस्य के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किये जाने के बाद से चट्टोग्राम में विरोध प्रदर्शन जारी है।

एक न्यूज पोर्टल ने अपनी खबर में कहा कि यह हमला बंदरगाह शहर के हरीश चंद्र मुनसेफ लेन में दोपहर करीब 2=30 बजे हुआ और इस दौरान शांतानेश्वरी मातृ मंदिर, शनि मंदिर और शांतनेश्वरी कालीबाड़ी मंदिर को निशाना बनाया गया। समाचार पोर्टल ने मंदिर अधिकारियों के हवाले से बताया, ''नारेबाजी कर रहे सैकड़ों लोगों के एक समूह ने मंदिरों पर ईंट-पत्थर फेंके, जिससे शनि मंदिर और अन्य दो मंदिरों के द्वार क्षतिग्रस्त हो गए।

कोतवाली पुलिस स्टेशन के प्रमुख अब्दुल करीम ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि हमलावरों ने मंदिरों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। पुलिस ने कहा कि मंदिरों को बहुत कम नुकसान हुआ है।

जस्टिन सन ने खाया 6.2 मिलियन डॉलर में खरीदा केला, बोले- यह बाकी केलों से बेहतर था

नेशनल डेस्क. क्रिप्टोकरेंसी के प्रमुख उद्यमी जस्टिन सन ने हाल ही में सोथबी नीलामी में एक दीवार पर डक्ट टेप से चिपका हुआ केला 6.2 मिलियन डॉलर (करीब 52 करोड़ रुपये) में खरीदा था। इस अद्वितीय कला के टुकड़े को खरीदने के बाद उनका वादा था कि वे इस केले को खा लेंगे और शुक्रवार को उन्होंने अपना वादा निभाते हुए दुनिया के सबसे महंगे केले को खा लिया।

क्या है कॉमेडियन आर्ट?

यह केला इतालवी कलाकार मौरिजियो कैटेलन ने कॉमेडियन के नाम से एक कंसेप्चुअल आर्ट के रूप में पेश किया था। नीलामी में बेहद महंगे मूल्य पर बिका। यह कला का एक असामान्य नमूना था, जिसमें एक साधारण केला दीवार पर डक्ट टेप से चिपका हुआ था। यह केला 2019 में पहली बार प्रस्तुत हुआ था और अब तीन साल बाद जस्टिन सन ने इसे खरीदा और खा लिया।

शाह आलम का भावुक रिएक्शन

शाह आलम न्यूयॉर्क में फल बेचने वाले बांग्लादेशी अप्रवासी हैं, जब उन्हें पता चला कि साधारण केला उसने केवल 35 सेंट (करीब 29 रुपये) में बेचा था। वह लाखों डॉलर में बिका तो वह हैरान हो गए। अपनी गरीबी का दुखड़ा सुनाते हुए आलम फूट-फूट कर रोने लगे। आलम के लिए यह घटना एक सदमे से कम नहीं थी, क्योंकि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि उनका बेचा हुआ फल इतना महंगा बिकेगा।

केले का स्वाद और विचार

इस केले को खाते हुए जस्टिन सन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह केला बाकी सभी केलों से बेहतर था। सन ने इसे सिर्फ एक फल नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण कला के रूप में देखा। उन्होंने इसे एनएफटी (नॉन फंजिबल टोकन) और विकेंद्रीकृत ब्लॉकचेन तकनीक से जोड़ा, जो आजकल डिजिटल कला और बौद्धिक संपत्ति की दुनिया में काफी चर्चित हैं। उन्होंने कहा, जैसे इंटरनेट पर बौद्धिक संपत्ति और विचार मौजूद होते हैं, ठीक वैसे ही यह कला भी डिजिटल दुनिया से जुड़ी है।

केलों का मुफ्त वितरण

जस्टिन सन ने शाह आलम का धन्यवाद करते हुए एक और कदम उठाया।

उन्होंने ट्वीट किया कि मैं शाह आलम का शुक्रिया अदा करने के लिए न्यूयॉर्क के अपर ईस्ट साइड में उनके स्टैंड से 1,00,000 केले खरीदने का फैसला किया है। ये केले अब फ्री में दुनिया भर में बांटे जाएंगे। सन ने यह कदम यह दिखाने के लिए उठाया कि उनका यह कदम सिर्फ कला का सम्मान करने के लिए नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए भी है।

कुर्रम में हिंसा से बदतर हुए हालात, अब तक 122 लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क: पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिम क्षेत्र के कुर्रम जिले के विभिन्न हिस्सों में सुन्नी और शिया समुदायों के बीच संघर्ष विराम के बावजूद गोलीबारी की ताजा घटना में दो लोगों के मारे जाने के बाद अब तक इस हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 122 हो गई है। पुलिस और अस्पताल के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सुन्नी और शिया समुदायों के बीच पिछले सप्ताह हिंसा शुरू हुई थी और संघर्ष विराम होने के बावजूद उनके बीच अब तक मामूली झड़पें जारी हैं। दोनों समुदायों के बीच बृहस्पतिवार को फिर गोलीबारी हुई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई जबकि छह व्यक्ति घायल हो गए। जिसके बाद राज्यपाल फैसल करीम कुंडी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर को अशांत क्षेत्र का दौरा करने के लिए कहा।

अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में पाराचिनार के पास यात्रियों को ले जा रही वैन पर 21 नवंबर को घात लगाकर किए गए हमले के एक दिन बाद जिले में अलीजई और बागन कबाइली गुटों के बीच हिंसा भड़क गई थी। यात्री वैन पर हुए हमले में 47 लोग मारे गए थे।

इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुए कई यात्रियों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया जिससे इस हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 57 हो गई थी। बागान बाजार क्षेत्र में दोनों समुदायों के बीच पिछले शुक्रवार और शनिवार को हुई हिंसा में कम से कम 37 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। इसके बाद जल्द ही यह हिंसा जिले के बालिशखेल, खार, काली, जुंज अलीजई और मकबल सहित अन्य स्थानों पर फैल गई।

पुलिस और अस्पताल सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार तक जारी रही गोलीबारी की घटनाओं में कम से कम 65 लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि सरकार ने इससे पहले रविवार को शिया और सुन्नी समुदायों के बीच सात दिवसीय संघर्ष विराम कराया था, जिसे बाद में बढ़ाकर 10 दिन कर दिया गया। संघर्ष विराम के बावजूद दोनों समुदायों के बीच छिटपुट झड़पें जारी रहीं। पुलिस और अस्पताल के सूत्रों ने बताया, ''कुर्रम में 21 नवंबर से जारी सांप्रदायिक हिंसा में शुक्रवार तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 122 हो गई है, जबकि 145 लोग घायल हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569